News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
दिनांक : 01 अगस्त, 2023
हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

मुक्त विश्वविद्यालय में 16 वीं राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की जयंती के अवसर पर मंगलवार दिनांक 01 अगस्त, 2023 को पूर्वान्ह 11:00 बजे 16 वें राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन जी के योगदान की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित की गयी।

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के0 बी0 पाण्डेय जी, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड जी, कवि एवं साहित्यकार, कल्याणी देवी प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

मॉं सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पार्जन करती हुई माननीया कुलपति महोदया एवं अतिथिगण

कार्यकम में मंत्रचारण करते हुए आचार्यगण

इसके पूर्व लोकमान्य तिलक संस्थान सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कॉमेडी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करती हुई असिस्टेन्ट प्रोफेसर श्रीमती कौमुदी शुक्ला

भारतरत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी के चित्र पर पुष्पार्जन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, मुख्य अतिथि प्रोफेसर के0 बी0 पाण्डेय जी एवं मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड जी,

माँ सरस्वती जी के प्रतिमा पर पुष्पार्जन करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी, मुख्य अतिथि प्रोफेसर के0 बी0 पाण्डेय जी एवं मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड जी,

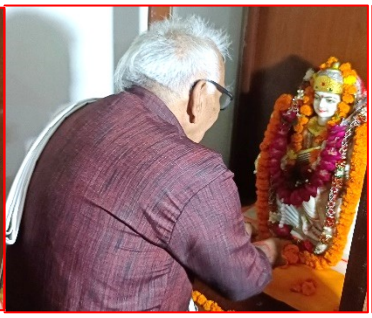

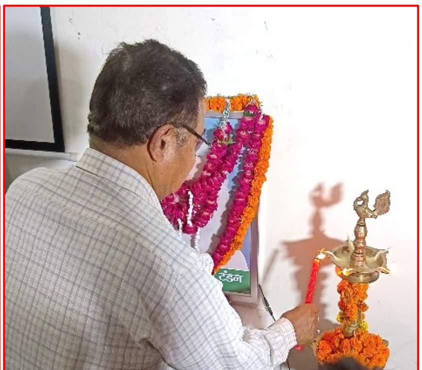

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करती हुई माननीया कुलपति महोदया एवं अतिथिगण

वन्दना की प्रस्तुती करते हुए आचार्यगण

विश्वविद्यालय के कुलगीत का प्रस्तुतीकरण

माननीय अतिथियों
को
पुष्पगुच्छ
भेंट कर
उनका स्वागत
करती हुई विश्वविद्य
लय
की शिक्षिकायें
एवं
शिक्षक

वाचिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय

अतिथि परिचय देते हुए आयोजन सचिव डॉ0 दिनेश सिंह

विश्वविद्यालय एवं कार्यक्रम के बारे में प्रस्तुतीकरण देते हुए संयोजक डॉ0 जी0 के0 द्विवेदी

मुख्य अतिथि प्रोफेसर के० बी० पाण्डेय जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड जी़ को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर उनका सम्मान करते हुए कार्यक्रम निदेशक प्रो० पी० के० पाण्डेय

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी० पी० सिंह को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई माननीया क़ुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

कार्यक्रम निदेशक प्रो० पी० के० पाण्डेय को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकगण

हिन्दी के प्रति राजर्षि टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय – श्री कक्कड़

मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। श्री कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे।

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विश्वविद्यालय– प्रोफेसर के0 बी0 पाण्डेय

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के0 बी0 पाण्डेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पाण्डेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी0 पी0 सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए0 के0 बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र श्री संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे।

प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम श्री राजेश सिंह, द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम श्री इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ० सोनी मिश्रा तथा तृतीय श्री शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग में प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह – प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव कर्नल विनय कुमार

राष्ट्रगान

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

दिनांक 01 अगस्त, 2023 को विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों पर भारत रत्न राजर्षी पुरूषोत्तम दास टंडन जी की जयंती के अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्रों के समन्वयक एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व पर विचार साझा किए गए।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

दिनांक : 01 अगस्त, 2023

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

पर्यावरण संरक्षण के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने किया एम ओ यू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं आईसीएफआरई इको रिहैबिलिटेशन सेंटर, प्रयागराज के मध्य मंगलवार दिनांक 01 अगस्त, 2023 को एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह की उपस्थिति में उक्त अनुबंध पत्र पर आईसीएफआरई के निदेशक डॉ संजय सिंह एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा हस्ताक्षर किया गया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रो० पी० पी० दुबे, प्रो० विनोद कुमार गुप्ता, डॉ० दिनेश सिंह, डॉ० पी० सी० श्रीवास्तव एवं आईसीएफआरई की डॉ० अनिता तोमर एवं डॉ० आलोक कुमार उपस्थित रहे। उक्त अनुबंध के आधार पर दोनों संस्थाएं विश्वविद्यालय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को बल प्रदान करने की दिशा में कार्य करेंगे।

अमर उजाला

राजर्षि टंडन की जयंती पर व्याख्यान आज

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती पर मंगलवार को 'हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन के योगदान की प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि उप्र लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के पूर्व कुलपति प्रो. केबी पांडेय ओर मुख्य वक्ता कवि एवं साहित्यकार उमेश चंद्र कक्कड़ होंगे। ब्यूरो

प्रयाग प्रभात
वर्षः 13 अंकः 65 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, मंगलवार, 01 अगस्त, 2023 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये

मुक्त विश्वविद्यालय में 16 वीं राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला आज

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 31 जुलाई उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की जयंती के अवसर पर मंगलवार 1 अगस्त 2023 को पूर्वान्ह 11रू00 बजे 16 वें राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन जी के योगदान की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के बी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड़,कवि एवं साहित्यकार, कल्याणी देवी प्रयागराज होंगे। कार्य क्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

स्वतंत्र भारत

राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला आज

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारत रतन राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती के अवसर पर 1 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे 16 वें राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन जी के योगदान की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के बी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मुख्य वक्ता उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार, कल्याणी देवी प्रयागराज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
RNI NO-UPHIN/2023/84340
नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com

मुक्त विश्वविद्यालय में 16 वीं राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला आज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जी की जयंती के अवसर पर मंगलवार 1 अगस्त 2023 को पूर्वान्ह 11:00 बजे 16 वें राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन जी के योगदान की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर के बी पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं पूर्व कुलपति, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर तथा मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार, कल्याणी देवी प्रयागराज होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह करेंगी।

राष्ट्रीय सहारा

राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला आज

प्रयागराज। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती पर मंगलवार को पूर्वान्हि 11 बजे 16वें राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के अंतर्गत हिंदी भाषा के विकास में राजर्षि टंडन के योगदान की प्रासंगिकता विषय पर व्याख्यान आयोजित की गयी। निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रोफेसर केबी पांडेय रहेंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रा. सीमा सिंह करेंगी।

दैनिक भास्कर

'राजर्षि टंडन का हिंदी प्रेम अगाध': कुलपति ने कहा-मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह

प्रयागराज 18 घंटे पहले

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय (UPRTOU) में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया।

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर केबी पांडेय रहे। उन्होंने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें।

प्रोफेसर केबी पांडेय को स्मति चिन्ह प्रदान करतीं कुलपति प्रो. सीमा सिंह।

राजर्षि टंडन ने हिंदी को व्यावहारिक रूप दिया

इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डीपी सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर एके बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र संत प्रसाद टंडन और उनके पौत्र दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

मुख्य वक्ता उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया, बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। श्री कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे।

दैनिक भास्कर
होम वीडियो सर्च

कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने पत्र का विमोचन किया गया।

राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे-कुलपति

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया, जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।

इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम श्री राजेश सिंह,द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ. सोनी मिश्रा तथा तृतीय शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग में प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

Wednesday, August 2 | Ujala Live News

उजाला लाइव | UJALA LIVE | खबरों का उजाला

HOME | राष्ट्रीय | राजनीति | ब्रेकिंग न्यूज | अपराध | पर्यटन | मनोरंजन | रोजगार | लाइफस्टाइल | खेल-जगत | टेक्नोलॉजी एवं गैजेट | मनोरंजन

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विश्वविद्यालय- प्रोफेसर केबी पांडेय

मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह – कुलपति
हिन्दी के प्रति राजर्षि टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय – श्री कक्कड़

राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया।
व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरु रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र श्री संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरु को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। श्री कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।
इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।
इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम श्री राजेश सिंह,द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम श्री इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ सोनी मिश्रा तथा तृतीय श्री शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग में प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

NEWSTRACK JUST JOURNALISM...

होम | Uttar Pradesh | मनोरंजन | देश | खेल | राज्य | टेक | बिज़नेस

होम / Uttar Pradesh / Prayagraj / Prayagraj News: राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विश्वविद्यालय- प्रोफेसर केबी पांडेय

Prayagraj News: राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विश्वविद्यालय- प्रोफेसर केबी पांडेय

Prayagraj News: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया।

Prayagraj News: उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता।

Also Read

Prayagraj News: सौर ऊर्जा के मामले में प्रयागराज वासियों ने पेश की मिसाल, पिछले 2 सालों में 30 फ़ीसदी बढ़े उपभोक्ता

मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह – कुलपति

प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरु रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

हिन्दी के प्रति राजर्षि टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय – श्री कक्कड़

मुख्य वक्ता उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।

इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ. जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ. दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम राजेश सिंह, द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ. सोनी मिश्रा तथा तृतीय शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग में प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

Wednesday, August 2 | Ujala Live News

उजाला लाइव | UJALA LIVE | खबरों का उजाला

HOME | राष्ट्रीय | राजनीति | ब्रेकिंग न्यूज | अपराध | पर्यटन | मनोरंजन | रोजगार | लाइफस्टाइल | खेल-जगत | टेक्नोलॉजी एवं गैजेट | मनोरंजन

पर्यावरण संरक्षण के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने किया एम ओ यू

August 1, 2023 by Editor Desk

Ujala Live

पर्यावरण संरक्षण के लिए मुक्त विश्वविद्यालय ने किया एम ओ यू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं आईसीएफआरई इको रिहैबिलिटेशन सेंटर, प्रयागराज के मध्य मंगलवार को एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। दोनों संस्थाएं पर्यावरण संरक्षण के लिए मिलकर कार्य करेंगी। मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह की उपस्थिति में उक्त अनुबंध पत्र पर आईसीएफआरई के निदेशक डॉ संजय सिंह एवं मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार द्वारा हस्ताक्षर किया गया।
इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पीपी दुबे, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता, डॉ दिनेश सिंह, डॉ पी सी श्रीवास्तव एवं आईसीएफआरई की डॉ अनिता तोमर एवं डॉ आलोक कुमार उपस्थित रहे। उक्त अनुबंध के आधार पर दोनों संस्थाएं विश्वविद्यालय परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को बल प्रदान करने की दिशा में कार्य करेंगे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
दिनांक : 02 अगस्त, 2023
हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

कार्य कुशलता को प्रमाणित करेंगे कौशल विकास कार्यक्रम : प्रोफेसा सीमा सिंह

कौशल प्रमाणन कार्यक्रम प्रारम्भ करने के सम्बन्ध में कार्यशाला

निरक्षर/कम पढ़े लिखे शिक्षार्थियों के लिए कौशल प्रमाणन कार्यक्रम प्रारंभ करने के संबंध में दिनांक 02 अगस्त, 2023 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

प्रारंभ में कार्यशाला का संचालन एवं अतिथियों का वाचिक स्वागत स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी डॉ0 मीरा पाल ने किया। कार्यशाला के बारे में सीका निदेशक, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

कार्यशाला में स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा के अमित कुमार सिंह, डॉ0 दीप्ति श्रीवास्तव, निकेत सिंह, डॉ0 नीलम उपाध्याय, जुमी सिंह आदि उपस्थित रहे।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अनेक ऐसे व्यक्ति हैं जो किसी विशेष कार्य में दक्ष हैं किन्तु विशेष परिस्थितियों के कारण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाये। प्रायः यह देखा गया है कि ऐसे व्यक्तियों के मन में अक्सर यह प्रश्न उठता है कि काश वह भी पढ़ पाते या उनकी दक्षता किसी संस्था द्वारा प्रमाणित होती। वर्तमान परिस्थितियॉ यद्यपि उनको आज भी शिक्षा ग्रहण करने से रोकती हैं किंतु यदि उनके कार्य को प्रमाणित किया जाए तो इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश प्रसारित करने का कार्य किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज समय–समय पर सामाजिक सरोकारों तथा अन्य गतिविधियों के माध्यम से समाज को दिशा देने तथा समाज के प्रति अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करता आया है। इसी दिशा में उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा अनौपचारिक शिक्षा को समाज में वंचित वर्ग विशेष रूप से कम पढ़े लिखे एवं निरक्षर व्यक्तियों, किसी कार्य विशेष में अर्धकुशल व कुशल व्यक्तियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी कार्य दक्षता को प्रमाणित कर समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रकार की शिक्षा से न केवल ऐसे व्यक्तियों का कार्य कुशलता प्रमाणित होगी और वह अपने पूरे मनोयोग से समाज, प्रदेश, देश के विकास में योगदान कर सकेंगे बल्कि संपूर्ण समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाएगा।

मुक्त विश्वविद्यालय कम पढ़े लिखे एवं निरक्षर व्यक्तियों, किसी कार्य विशेष में अर्धकुशल व कुशल व्यक्तियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर उनकी कार्य दक्षता को प्रमाणित कर समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास कर रहा है : कुलपति

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarterly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
दिनांक : 02 अगस्त, 2023
हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

कुलपति जी ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

उ0 प्र0 राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र जून 2023 की परीक्षाएं प्रदेश के 148 केंद्रों पर मंगलवार 27 जून 2023 से शान्तिपूर्ण ढंग से प्रारम्भ हो गयी। दिनांक 02 अगस्त, 2023 को विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो0 सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित सामुदायिक केन्द्र पर परीक्षा केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। माननीया कुलपति जी ने भीषण गर्मी को देखते हुए परीक्षा केन्द्र पर परीक्षार्थियों को पीने हेतु पर्याप्त जल की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया एवं परीक्षार्थियों से रूबरू हुई। माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर संपूर्ण उत्तर प्रदेश में परीक्षा को पारदर्शिता पूर्ण ढंग से सकुशल संपन्न कराने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर पूरे प्रदेश में नकल विहीन परीक्षा कराने के लिए उड़ाका दल एवं पर्यवेक्षक दल का गठन किया गया है।

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित सामुदायिक केंद्र पर परीक्षा केंद्र का निरीक्षण एवं परीक्षण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे

सहजसत्ता हिन्दी दैनिक
प्रयागराज, बुधवार, 2 अगस्त 2023
प्रयागराज

राजर्षि टंडन ने हिन्दी को स्थापित करने का भगीरथ प्रयास किया: प्रो. केबी पाण्डेय

मुक्त विवि करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रहः कुलपति

प्रयागराज। राजर्षि टंडन ने हिन्दी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिन्दी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिन्दी को समृद्ध बनाने के साथ-साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता।

यह बातें मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के बी पाण्डेय ने उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर स्मृति व्याख्यानमाला में कही। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विवि राजर्षि की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे, वहीं एक अन्य कुलपति प्रो. ए के बख्शी उनके शिष्य रहे।

इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र दिनेश टंडन से अपने सम्बंधों को साझा किया। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था। मुख्य वक्ता कवि एवं साहित्यकार उमेश चंद्र कक्कड़ ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिन्दी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिन्दी के प्रति टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। उनका जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारम्भ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महामनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके। संचालन कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। संयोजक डॉ जी के द्विवेदी रहे तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। इस अवसर पर राजर्षि टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

---

6 दैनिक जागरण Prayagraj 2 August 2023
www.inextlive.com/kanpur
The better understanding of things is always reserved for the Man of Knowledge.@Chinmayananda
iNEXT CITYLIGHTS/CHAI-TIME

यूपीआरटीओयू करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े लेखों का संग्रह

हिन्दी के प्रति राजर्षि टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय: कक्कड़

PICS: DAINIK JAGRAN I NEXT

'विश्व में हिन्दी को प्रतिष्ठा दिलाने का श्रेय राजर्षि टण्डन को'

हिंदी साहित्य सम्मेलन के आयोजन में बोले शंकराचार्य वासुदेवानंद सरस्वती

हिंदी भारत की रीढ़ है

देवरहा बाबा ने दी थी उपाधि

टंडन जयंती पर बच्चों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां

अखिल भारतीय युवा खत्री समाज ने मनाई राजर्षि टंडन की जयंती

'महात्मा गांधी से प्रभावित रहते थे टंडन जी'

राजर्षि पुरुषोत्तमदास टण्डन की जन्मतिथि पर सर्जनपीठ ने आयोजित किया परिसंवाद

विद्यार्थी जीवन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में हाथ बंटाते थे पुरुषोत्तमदास टंडन

आर्थिक शुचिता के पक्षधर थे

For more news log on to www.inextlive.com

राजर्षि टंडन ने हिन्दी को स्थापित करने का भगीरथ प्रयास किया : केबी पाण्डेय

इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विवि करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह: कुलपति

हिन्दी के प्रति राजर्षि टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय: कक्कड़

राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला के 16वें पुष्प का आयोजन

प्रयागराज(हि.स.)। राजर्षि टंडन ने हिन्दी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिन्दी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिन्दी को समृद्ध बनाने के साथ-साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता।

यह बातें मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो. के बी पाण्डेय ने उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर स्मृति व्याख्यानमाला में कही। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विवि राजर्षि की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। उन्होंने बताया कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे, वहीं एक अन्य कुलपति प्रो. ए के बख्शी उनके शिष्य रहे।

इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र दिनेश टंडन से अपने सम्बंधों को साझा किया। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

मुख्य वक्ता कवि एवं साहित्यकार उमेश चंद्र कक्कड़ ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिन्दी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिन्दी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिन्दी के प्रति टंडन का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। उन्होंने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। उनका जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारम्भ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महामनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके।

संचालन कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। संयोजक डॉ जी के द्विवेदी रहे तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। इस अवसर पर राजर्षि टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

लेख प्रतियोगिता के कर्मचारी संवर्ग में इंदुभूषण प्रथम, सोनी द्वितीय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टंडन की जयंती पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केबी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। मुख्य वक्ता कवि उमेश चंद्र कक्कड़ ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यावहारिक रूप भी दिया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने की। इस मौके पर राजर्षि टंडन पर आयोजित लेख प्रतियोगिता के कर्मचारी संवर्ग में प्रथम इंदुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ. सोनी मिश्रा तथा तृतीय शिवकुमार कुशवाहा रहे। शिक्षक संवर्ग में प्रथम राजेश सिंह, द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में व्याख्यानमाला के दौरान कुलपति व अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विवि – प्रो0–केबी पांडेय

मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह – कुलपति

राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन

सहज स्वरूप समाचार।

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र श्री संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था। मुख्य वक्ता श्री उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। श्री कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके। इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम श्री राजेश सिंह, द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम श्री इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ सोनी मिश्रा तथा तृतीय श्री शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग में प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विवि: प्रो. केबी पांडेय

राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन

प्रयागराज, (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विवि, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों दलितों वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र श्री संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया।

प्रयागराज amarujala.com प्रयागराज | बुधवार, 2 अगस्त 2023 5

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतरा मुक्त विवि

भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती पर बोले प्रोफेसर केबी पांडेय

अमर उजाला ब्यूरो

हिंदी साहित्य सम्मेलन की ओर से राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती पर आयोजित समारोह में मंचासीन स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती। अमर उजाला

राजर्षि टंडन ने हमेशा भाषा की मर्यादा बनाए रखी

कविता पाठ से याद किए गए राजर्षि टंडन

राजर्षि टंडन की जयंती पर हुई विचार गोष्ठी

खत्री सभा प्रयाग ने मनाई राजर्षि टंडन की जयंती

गौरी पाठशाला में जयंती पर राजर्षि टंडन को किया याद

बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर मनाई जयंती

हिंदी विद्यापीठ में राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती पर हुआ कार्यक्रम। अमर उजाला

Open University living up to the expectations of Rajarshi Tandon: Professor KB Pandey

Open University will collect rare articles related to Rajarshi Tandon: VC

Rajarshi Tandon's immense love for Hindi is commendable: Kakkar

Rajarshi Tandon 16th Lecture Series organized

SANYAM BHARAT

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj organized the 16th Flower of Rajarshi Tandon Memorial Lecture Series on the birth anniversary of Bharat Ratna Rajarshi Tandon on Tuesday. The chief guest of the lecture, former Chairman of Public Service Commission, Uttar Pradesh and former Vice-Chancellor of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur Professor KB Pandey said that Rajarshi Tandon made a heroic effort to establish Hindi. He believed that only Hindi can bind the whole country in the thread of unity. Along with enriching Hindi, Rajarshi Tandon wanted the youth of independent India to connect themselves with the country's ancient pride and ideals.

For this, there can be no better medium than education. Professor Pandey said that this Open University established in the name of Rajarshi Tandon in Uttar Pradesh is continuously living up to the expectations of Rajarshi ji. Rajarshi Tandon had a strong desire for the upliftment of the poor, downtrodden, downtrodden and women. Professor Pandey shared his deep association with Rajarshi Tandon Open University. He said that while the Vice-Chancellor of this University Professor DP Singh was his teacher, another Vice-Chancellor Professor AK Bakshi was his disciple. Similarly, he shared his relations with Shri Sant Prasad Tandon, son of Rajarshi Purushottam Das Tandon and his grandson Shri Dinesh Tandon. Sant Prasad Tandon was the head of the department and Dinesh Tandon was his classmate. Professor Pandey said that the way Prayagraj is known as Triveni of Ganga Yamuna Saraswati. Similarly, in the field of politics too, Rajarshi Tandon, Mahamana Madan Mohan Malviya and Pandit Jawaharlal Nehru were called the modern Triveni of Prayagraj.

Chief speaker Mr. Umesh Chandra Kakkar, poet and litterateur said that Rajarshi Tandon not only contributed ideologically to the promotion of Hindi language but also gave it a practical form. His role was prominent among the founders of the Hindi Sahitya Sammelan. He believed that Hindi is the backbone of India, the soul of India, Tandon ji's immense love for Hindi is commendable. Hindi was a reflection of his culture. Mr. Kakkar said that the more capable and developed our mother tongue will be, the more our nation and citizens will develop at the global level. He said that today is the day of resolution that the process of language development should continue to make Rajarshi Tandon's dreams come true. While delivering the presidential address, Vice Chancellor Prof. Seema Singh said that Rajarshi Tandon was very strict about rules and discipline. Tandon ji's life is exemplary for all of us. His simplicity and simplicity should be adopted by every person in his life. Professor Singh said that the Open University has started the work of collecting rare articles and manuscripts related to Rajarshi Tandon in its library. He called upon the general public to co-operate in this work. So that the coming generations can get more and more information about great sages like Rajarshi Purushottam Das Tandon. Before this, the guests inaugurated the program by lighting the lamp and garlanding the idols of Maa Saraswati and Rajarshi Tandon in the Lokmanya Tilak Shastrarth Auditorium. Program director Professor PK Pandey gave a verbal welcome to the guests. Convenor Dr GK Dwivedi about the program and the guests were introduced by Organizing Secretary Dr Dinesh Singh. Operation Mrs. Kaumudi Shukla and vote of thanks was done by Registrar Col. Vinay Kumar.

On this occasion, the chief guest, vice-chancellor and chief speaker honored the participants who got the first three positions in the teacher, employee and student category in the writing competition organized on the personality and work of Rajarshi Tandon by giving mementoes and certificates. Shri Rajesh Singh, second Kaumudi Shukla and third Kamna Yadav were among those honored in teacher's cadre. Shri Indubhushan Pandey, second Dr. Soni Mishra and third Shri Shivkumar Kushwaha were in the staff cadre. Similarly, Santosh Kumar Yadav, second Ankit Soni and third Brijesh Singh were in the learner cadre.

राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत रतन राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र श्री संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था।

राजर्षि टण्डन के मन में गरीबों के उत्थान की चिंता थी

प्रयागराज (एसएनबी)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया। इस मौके पर यूपी लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन प्रो. के.बी. पाण्डेय ने कहा कि राजर्षि टंडन के मन में गरीबों, दलितों, वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी।

■ राजर्षि टंडन व्याख्यानमाला में प्रो.के.बी. पाण्डेय ने कहा

■ मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रहः कुलपति

राजर्षि टण्डन मुक्त विवि के लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में आयोजित व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि यूपीलोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विविकानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के. बी. पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। कहा कि यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन में गरीबों, दलितों, वंचितों तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। मुक्त विवि ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। साहित्यकार उमेश चंद्र कक्कड़ ने भी विचार व्यक्त किया।अतिथियों का स्वागत निदेशक प्रोफेसर पी. के. पांडेय व परिचन डा. दिनेश सिंह ने दिया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डा. जी के द्विवेदी ने बताया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर राजर्षि टंडन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता के विजेताओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

राजर्षि टंडन की अपेक्षाओं पर खरा उतर रहा मुक्त विश्वविद्यालयः प्रोफेसर केबी पांडेय

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वें पुष्प का आयोजन किया गया।

व्याख्यानमाला के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता।

मुख्य वक्ता उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया।

हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी।

अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

मुक्त विश्वविद्यालय करेगा राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेखों का संग्रह – कुलपति

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 1/8/2023 उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, में मंगलवार को भारत रत्न राजर्षि टंडन के जन्मदिवस पर राजर्षि टंडन स्मृति व्याख्यानमाला के 16 वे पुष्प का आयोजन किया गया। व्याख्यानमाला

के मुख्य अतिथि लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष तथा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्व विद्यालय, कानपुर के पूर्व कुलपति प्रोफेसर के बी पांडेय ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी को स्थापित करने का भागीरथ प्रयास किया। उनका मानना था कि हिंदी ही पूरे देश को एकता के सूत्र में बांध सकती है। हिंदी को समृद्ध बनाने के साथ साथ राजर्षि टंडन चाहते थे कि स्वतंत्र भारत के तरुण अपने को देश के प्राचीन गौरव तथा आदर्शों से जोड़ें। इसके लिए शिक्षा से बड़ा और कोई माध्यम नहीं हो सकता। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में राजर्षि टंडन के नाम पर स्थापित यह मुक्त विश्वविद्यालय राजर्षि जी की अपेक्षाओं पर निरंतर खरा उतर रहा है। राजर्षि टंडन के मन मे गरीबों दलितों वंचितो तथा महिलाओं के उत्थान की बलवती आकांक्षा थी। प्रोफेसर पांडेय ने राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अपने गहरे जुड़ाव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डी पी सिंह जहां उनके गुरू रहे वहीं एक अन्य कुलपति प्रोफेसर ए के बख्शी उनके शिष्य रहे। इसी तरह उन्होंने राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के पुत्र संत प्रसाद टंडन एवं उनके पौत्र श्री दिनेश टंडन से अपने संबंधों को साझा किया। संत प्रसाद टंडन विभागाध्यक्ष तथा दिनेश टंडन उनके सहपाठी रहे। प्रोफेसर पांडेय ने कहा कि जिस प्रकार प्रयागराज को गंगा यमुना सरस्वती की त्रिवेणी के नाम से जाना जाता है। उसी तरह राजनीति के क्षेत्र में भी राजर्षि टंडन, महामना मदन मोहन मालवीय तथा पंडित जवाहर लाल नेहरू को प्रयागराज की आधुनिक त्रिवेणी कहा जाता था। मुख्य वक्ता उमेश चंद्र कक्कड़, कवि एवं साहित्यकार ने कहा कि राजर्षि टंडन ने हिंदी भाषा के प्रचार के लिए केवल वैचारिक योगदान ही नहीं किया बल्कि उसे व्यवहारिक रूप भी दिया। हिंदी साहित्य सम्मेलन के जन्मदाताओं में उनकी भूमिका प्रमुख थी। उनका मानना था कि हिंदी भारत की रीढ़ है, भारत की आत्मा है, हिंदी के प्रति टंडन जी का अगाध प्रेम अभिनंदनीय है। हिंदी उनके संस्कार का प्रतिबिंब थी। कक्कड़ ने कहा कि हमारी मातृभाषा जितनी समर्थ और विकसित होगी उतना ही वैश्विक स्तर पर हमारा राष्ट्र और नागरिक विकसित होंगे। उन्होंने कहा कि आज संकल्प का दिन है कि राजर्षि टंडन के सपनों को साकार करने के लिए भाषा के विकास की प्रक्रिया अनवरत बनी रहे। अध्यक्षीय उद्बोधन करते हुए कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने कहा कि राजर्षि टंडन नियम और अनुशासन के बहुत पाबंद थे। टंडन जी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। उनकी सादगी और सरलता को हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने पुस्तकालय में राजर्षि टंडन से जुड़े दुर्लभ लेख एवं पांडुलिपियों के संग्रह का कार्य प्रारंभ किया है। उन्होंने जन सामान्य से इस कार्य में सहयोग करने का आह्वान किया। जिससे आने वाली पीढ़ी राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन जैसे महा मनीषी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सके। इसके पूर्व लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती तथा राजर्षि टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों का वाचिक स्वागत कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के पांडेय ने किया। कार्यक्रम के बारे में संयोजक डॉ जी के द्विवेदी ने तथा अतिथियों का परिचय आयोजन सचिव डॉ दिनेश सिंह ने दिया। संचालन श्रीमती कौमुदी शुक्ला एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर राजर्षि टंडन जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आयोजित लेख प्रतियोगिता में शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र वर्ग में प्रथम तीन स्थान पर आए प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि, कुलपति व मुख्य वक्ता ने स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में शिक्षक संवर्ग में प्रथम राजेश सिंह,द्वितीय कौमुदी शुक्ला एवं तृतीय कामना यादव रहीं। कर्मचारी संवर्ग में प्रथम श्री इन्दुभूषण पांडेय, द्वितीय डॉ सोनी मिश्रा तथा तृतीय शिवकुमार कुशवाहा रहे। इसी प्रकार शिक्षार्थी संवर्ग मे प्रथम संतोष कुमार यादव, द्वितीय अंकित सोनी तथा तृतीय बृजेश सिंह रहे।

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

दिनांक : 04 अगस्त, 2023

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

10 जिलों में मुविवि की बी.एड एवं बी.एड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा की तैयारी पूरी

प्रवेश परीक्षा 05 अगस्त, 2023 को

परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा से सम्बन्धित साग्रियों को लेकर जा रही गाड़ियों को हरी झंड़ी दिखाकर रवाना करते हुए परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023– 24 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार 5 अगस्त 2023 को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की जाएगी।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों की तैनाती कर दी गई है।

आज दिनांक 04 अगस्त, 2023 को सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा से सम्बन्धित साग्रियों को लेकर जा रही गाड़ियों को हरी झंड़ी दिखाकर परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह ने रवाना किया।

इसके साथ ही कोर कमेटी के सदस्य परीक्षा केंद्रों पर तैनात रहेंगे। प्रवेश परीक्षा में 11593 अभ्यर्थी शामिल होंगे। सभी अभ्यर्थी प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं।
प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की जा रही है। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाया गया है। प्रदेश के किसी भी केंद्र पर अभ्यर्थियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए विश्वविद्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। जहां प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के सदस्य मुस्तैद रहेंगे।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
दिनांक : 04 अगस्त, 2023
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

उक्त फोरम में प्रतिभाग करती हुई उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा साथ में अन्य विश्वविद्यालयों के माननीय कुलपतिगण

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj
हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ
05 अगस्त, 2023

88 प्रतिशत ने दी बीएड एवं बीएड स्पेशल प्रवेश परीक्षा

परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023– 24 की बी एड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार दिनांक 05 अंस्त, 2023 को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में 80.2 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे। जबकि बीएड विशिष्ट शिक्षा में 77.4 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बीएड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय एवं परीक्षा नियंत्रक श्री डी0 पी0 सिंह ने प्रयागराज शहर में बनाए गए परीक्षा केंद्र ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज का औचक किया।

GPS Map Camera
Ayodhya, Uttar Pradesh, India
Q5PP+GRQ cricket field, Rano Pali, Ayodhya, Uttar Pradesh 224123, India
Lat 26.785651°
Long 82.186488°
05/08/23 10:01 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
बमरौली कटरा, उत्तर प्रदेश, भारत
44J3+FV3, बमरौली कटरा, उत्तर प्रदेश 282006, भारत
Lat 27.130632°
Long 78.104097°
05/08/23 10:11 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jhansi, Uttar Pradesh, India
FH47+HC8, Civil Lines, Jhansi, Uttar Pradesh 284002, India
Lat 25.456306°
Long 78.563747°
05/08/23 10:14 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Jhansi, Uttar Pradesh, India
FH47+FPV, BKD Chauraha, Civil Lines, Jhansi, Uttar Pradesh 284002, India
Lat 25.456069°
Long 78.564039°
05/08/23 10:08 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mundi Jahangirpur, Uttar Pradesh, India
73QM+62W, Mundi Jahangirpur, Uttar Pradesh 283126, India
Lat 27.288307°
Long 78.082437°
05/08/23 10:22 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Mundi Jahangirpur, Uttar Pradesh, India
73QM+62W, Mundi Jahangirpur, Uttar Pradesh 283126, India
Lat 27.288307°
Long 78.082437°
05/08/23 10:09 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Bareilly, Uttar Pradesh, India
9FG2+M35, Nawada, Bareilly, Uttar Pradesh 243005, India
Lat 28.376837°
Long 79.450187°
05/08/23 09:56 AM GMT +05:30
Google

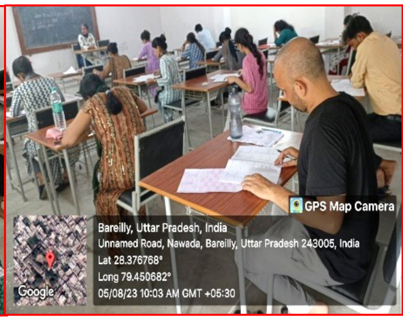
GPS Map Camera
Bareilly, Uttar Pradesh, India
Unnamed Road, Nawada, Bareilly, Uttar Pradesh 243005, India
Lat 28.376768°
Long 79.450682°
05/08/23 10:03 AM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Bareilly, Uttar Pradesh, India
9FG2+M35, Nawada, Bareilly, Uttar Pradesh 243005, India
Lat 28.376643°
Long 79.450302°
05/08/23 10:38 AM GMT +05:30
Google

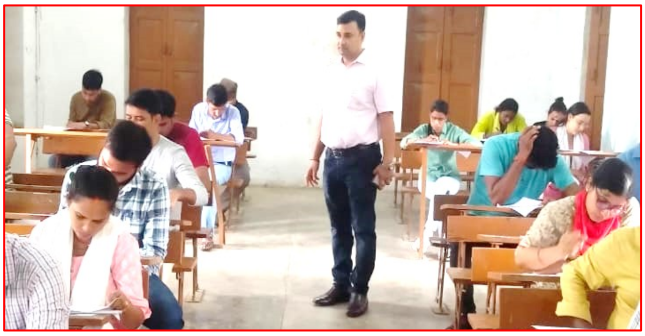

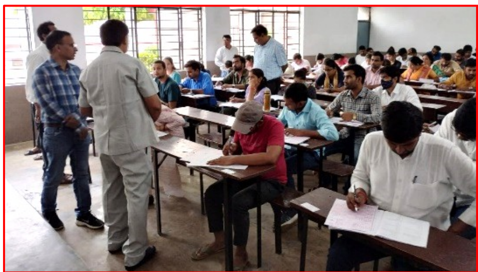

प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की गयी। प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई।

प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। आगरा में सबसे अधिक चार परीक्षा केंद्र बनाए गए। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी लेता रहा। समन्वयक प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
ग्वालियर रविवार, 06 अगस्त, 2023

एक्सप्रेस न्यूज

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80 फीसदी उपस्थिति

प्रयागराज, (ब्यूरो) । उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि, प्रयागराज की सत्र 2023- 24 की बीएड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि बी एड प्रवेश परीक्षा में 80.2 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे।जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में 77.4 फीसदी अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।

RNI NO-UPHIN/2023/84340
सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com रविवार 06 अगस्त, 2023 वर्ष: 01, अंक: 143, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80% उपस्थिति

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023- 24 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि बी एड प्रवेश परीक्षा में 80.2 % अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे।जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में 77.4% अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की गयी।प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। आगरा में सबसे अधिक चार परीक्षा केंद्र बनाए गए। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी लेता रहा। समन्वयक प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

हिन्दी दैनिक उजाला शिखर
खबर गहराईयों की

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80% उपस्थिति

उजाला शिखर संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023- 24 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि बी एड प्रवेश परीक्षा में 80.2 इ अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे।जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में 77.4इ अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। प्रवेश परीक्षा प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 तक आयोजित की गयी।प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। आगरा में सबसे अधिक चार परीक्षा केंद्र बनाए गए। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी लेता रहा। समन्वयक प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

JEEVAN EXPRESS
PRAYAGRAJ, SUNDAY, 06 AUGUST 2023

80 percent candidates appeared in B.Ed entrance exam of UPRTOU

PRAYAGRAJ: The entrance examination of B.Ed and B.Ed Special Education for the session 2023-24 of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj was conducted on Saturday at 15 examination centers in 10 districts of the state.

Professor PK Pandey, coordinator of the Entrance Examination Organizing and Steering Committee, said that 80.2 percent of the candidates appeared in the B.Ed entrance examination. 6403 candidates had applied for the B.Ed entrance exam. Out of which 1266 remained absent. While 77.4 percent candidates were present in B.Ed special education. In B.Ed Special Education, 5190 candidates from all over the country had applied. In which 1174 candidates remained absent. Supervisors and core committee were deployed at all the centers on the instructions of Vice-Chancellor Prof Seema Singh for the entrance examination. Prof Pandey told that the entrance examination was conducted in Agra, Ayodhya, Bareilly, Gorakhpur, Jhansi, Kanpur, Lucknow, Meerut, Varanasi and Prayagraj. The help desk set up in the university kept taking information about the conduct of examination continuously from all the examination centers of the state. Coordinator Prof Pandey told that the entrance test result will be declared soon.

Prayagraj, Sunday
6 August 2023
PRAYAGRAJ EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 12
दैनिक जागरण
www.inextlive.com Published from PRAYAGRAJ • Agra • Bareilly • Dehradun • Gorakhpur • Jamshedpur • Kanpur • Lucknow • Meerut • Patna • Ranchi • Varanasi

बीएड प्रवेश परीक्षा में 80 फीसदी उपस्थिति

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (5 Aug): विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023- 24 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर हुई. प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि बीएड प्रवेश परीक्षा में 80.2 फीसदी अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी.

पर्यवेक्षक रहे मौजूद

बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था. जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे. जबकि बीएड विशिष्ट शिक्षा में 77.4 फीसदी अभ्यर्थी उपस्थित रहे. बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था. जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे. प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी. जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई. प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी. आगरा में सबसे अधिक चार परीक्षा केंद्र बनाए गए. प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी.

Daily News
SANYAM BHARAT
VOL. 01 NO. 310 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
SUNDAY, 06 AUGUST 2023, PAGES 4, PRICE RS. 1.00
Padhiye Dil Aur Shan Se....
EDIT PRAYAGRAJ NATION

80 pc attendance in MVI's B.Ed entrance exam

SANYAM BHARAT

PRAYAGRAJ: Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University's session 2023-24 entrance exam for B.Ed and B.Ed Special Education was conducted peacefully at 15 examination centers in 10 districts of the state on Saturday. Professor PK Pandey, coordinator of the Entrance Examination Organizing and Steering Committee, said that 80.2 candidates appeared in the B.Ed entrance examination. 6403 candidates had applied for the B.Ed entrance exam. Out of which 1266 remained absent. While 77.4 candidates were present in B.Ed special education. In B. Ed Special Education, 5190 candidates from all over the country had applied. In which 1174 candidates remained absent. The entrance examination was conducted from 10:00 am to 1:00 pm. Supervisors and core committee were deployed at all the centers on the instructions of Vice-Chancellor Professor Seema Singh for the successful conduct of the entrance examination. Under whose supervision the examination was conducted at all the centers with transparency. Professor Pandey told that keeping in mind the convenience of the candidates, the entrance examination was conducted in Agra, Ayodhya, Bareilly, Gorakhpur, Jhansi, Kanpur, Lucknow, Meerut, Varanasi and Prayagraj. Maximum four examination centers were set up in Agra. Candidates took the exam at the examination center at Government Inter College and Ishwar Sharan PG College in Prayagraj. The help desk set up in the university kept taking information from all the examination centers of the state about the smooth conduct of the examination. Coordinator Professor Pandey told that the entrance test result will be declared soon.

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 29 | अंक :276
प्रतापगढ़ | रविवार , 6 अगस्त-2023
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80 उपस्थिति

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023- 24 की बी एड एवं बी एड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई। प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी के पांडेय ने बताया कि बी एड प्रवेश परीक्षा में 80.2 त्र अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। बीएड प्रवेश परीक्षा में 6403 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें से 1266 अनुपस्थित रहे।जबकि बी एड विशिष्ट शिक्षा में 77.4त्र अभ्यर्थी उपस्थित रहे। बी एड विशिष्ट शिक्षा में देश भर से 5190 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। जिनमें 1174 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।प्रवेश परीक्षा प्रातः 10॰00 से दोपहर 1॰00 तक आयोजित की गयी।प्रवेश परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर सभी केंद्रों पर पर्यवेक्षकों एवं कोर कमेटी की तैनाती की गयी थी। जिनकी देखरेख में सभी केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गई। प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी। आगरा में सबसे अधिक चार परीक्षा केंद्र बनाए गए। प्रयागराज में राजकीय इंटर कॉलेज तथा ईश्वर शरण पीजी कॉलेज में परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। विश्वविद्यालय में स्थापित हेल्प डेस्क प्रदेश के सभी परीक्षा केंद्रों से निरंतर परीक्षा के सकुशल संचालन की जानकारी लेता रहा। समन्वयक प्रोफेसर पांडेय ने बताया कि प्रवेश परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जाएगा।

आज
प्रयागराज, रविवार ६ अगस्त, २०२३ सौर श्रावण २१, श्रावण अधिक कृष्ण ५ सं. २०८० वि.

बीएड प्रवेश परीक्षामें ८० फीसदी अभ्यर्थी हुये शामिल

अमर उजाला

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80 फीसदी अभ्यर्थी शामिल

एमबीए-एमसीए प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

मुविवि की बीएड प्रवेश परीक्षा में 80% परीक्षार्थी रहे उपस्थिति

» सभी परीक्षा केंद्रों पर पारदर्शिता के साथ परीक्षा संपन्न कराई गईः प्रो पीके पांडेय

English Daily
UJALA SHIKHAR
News Of The Depths
VOL. 01 NO. 34 MORNING EDITION PRAYAGRAJ
SUNDAY, 06 AUGUST 2023, PAGES 4, PRICE RS. 2.00
EDIT NATION PRAYAGRAJ

80 pc attendance in MVI's B.Ed entrance exam

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarerly Bulletin of UP Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj

दिनांक : 11–15 अगस्त, 2023

हम पहुँचे वहाँ पहुँचा न कोई जहाँ

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक 11–15 अगस्त 2023 तक

विश्वविद्यालय मुख्य परिसर एवं क्षेत्रीय कार्यालयों पर आयोजित कार्यक्रमों का विवरण

'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मुख्यालय एवं क्षेत्रीय केन्द्रों पर आयोजित कार्यक्रमों की तिथिवार

सूची

क्र. सं.	कार्यक्रम स्थान	पृष्ठ संख्या
1.	विश्वविद्यालय मुख्य परिसर	1-11
2.	क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर	12-17
3.	क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ	18-24
4.	क्षेत्रीय केन्द्र, आगरा	25-30
5.	क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ	31-37
6.	क्षेत्रीय केन्द्र, झाँसी	38-44
7.	क्षेत्रीय केन्द्र, बरेली	45-51
8.	क्षेत्रीय केन्द्र, आजमगढ़	52-59
9.	क्षेत्रीय केन्द्र, अयोध्या	60-63
10.	क्षेत्रीय केन्द्र, प्रयागराज	64-66
11.	क्षेत्रीय केन्द्र, नोएडा	67-73
12.	क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी	74-84

Report

Azadi Ka Amrit Mahotsav

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

G20

विश्वविद्यालय मुख्य परिसर

सरस्वती परिसर

शैक्षणिक भवन

"मेरी माटी मेरा देश" के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम

11 अगस्त, 2023

आज दिनांक 11 अगस्त, 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन की पत्र संख्या DO. No. 124/2022 (e.gov/ebps) दिनांक 27 जुलाई, 2023 के अनुपालन में आजादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के अवसर पर "मेरी माटी मेरा देश" अभियान में वृहद स्तर पर पौधारोपण के कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान विद्याशाखा द्वारा पूर्वाह्न 10:30 बजे में विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति महोदया जी के स्वागत एवं उनके कर कमलों द्वारा नवस्थापित फ्रूड गार्डेन में फलदार वृक्ष के रोपण द्वारा प्रारम्भ किया गया गया। तद्पश्चात् विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार एवं कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0 पी0 दुबे के नेतृत्व में यमुना परिसर में वृक्षारोपण के कार्यक्रम का संचालन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलसचिव, विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशक, प्रोफेसर एवं कर्मचारियों आदि ने बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। आज इस कार्यक्र में मुख्य रुप से जामुन, करौंदा, अमरुद, आम, पीपल, आदि अनेक प्रकार के वृक्षों का रोपण किया गया।

कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0पी0 दुबे ने पौधों की महत्ता एवं उनके उपयोगिता के साथ–साथ उनमें उपस्थित औषधीय गुणों के बारे में चर्चा प्रारम्भ करते हुए कहा कि इन वृक्षों को न केवल वृक्षों के पारिस्थितकीय महत्व एवं पर्यावरणीय अनुकूलन के लाभों बल्कि उनमें छिपी हुई रोगों के उपचार एवं प्रतिरोधकता को बढ़ाने वाले गुणों के विषय में भी आम नागरिको को जागरुक करने का कार्य भी होना चाहिए। जिससे आम जनमानस उनसे लाभ लेते हुए वृक्षों को अधिकाधिक रुप से लगाने हेतु जागृत हो। मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार का आवाह्न किया कि सभी लोग कम से कम विश्वविद्यालय में लगे हुए एक–एक वृक्ष को गोद लेकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी लें।

"

Pledge taking ceremony with mud / Mitti Diyas

14 अगस्त, 2023

आज दिनांक 14 अगस्त, 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन की पत्र संख्या DO. No. 124/2022 (e.gov/ebps) दिनांक 27 जुलाई, 2023 के अनुपालन में आजादी का अमृत महात्सव (AKAM) के अवसर पर **"मेरी माटी मेरा देश"** अभियान में Pledge taking ceremony with mud / Mitti Diyas कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर प्रांगण में आयोजत किया गया।

उपर्युक्त कार्यक्रम को विस्तृत स्वरूप देते हुए विश्वविद्यालय प्रांगण को प्रकाशित कर 151 दीपों को प्राज्जवलित कर प्रांगण को प्रकाशित कर कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं शुभारंभ माननीया कुलपति महोदया जी के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्जवलित करने के साथ ही साथ शपथ भी ली गयी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सम्मानित सदस्यों ने शपथ ली की मिट्टी के दिये का प्रयोग करेंगे एवं मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले साहसी वीरों का सदैव सम्मान करेंगें।

इस अवसर पर पंच प्रण शपथ एवं वसुधा वंदना की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव, निदेशकगण एवं समस्त विद्याशाखाओं के शिक्षक कर्मचारीगणों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

Pottery and Sculpture Making, and Mud Work Artisanry

14 अगस्त, 2023

आज दिनांक 14 अगस्त, 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोजन की पत्र संख्या DO. No. 124/2022 (e.gov/ebps) दिनांक 27 जुलाई, 2023 के अनुपालन में आजादी का अमृत महात्सव (AKAM) के अवसर पर **"मेरी माटी मेरा देश"** अभियान में **Pottery and Sculpture Making, and Mud Work Artisanry** कार्यक्रम का आयोजन स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा द्वारा अपराह्न 12:00 बजे शांतिपुरम्, फाफामऊ में आयोजत किया गया।

उपर्युक्त कार्यक्रम शांतिपुरम्, फाफामऊ में मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों के कार्यस्थन पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम माननीया कुलपति महोदया जी की अध्यक्षता में 12:15 बजे प्रारम्भ हुआ।

कार्यक्रम में कुम्हार नन्दलाल जी एवं घर की मुखिया सोनकली जी के सहयोग द्वारा चाक पर मिट्टी के बर्तन बनाने की विधि का प्रदर्शन किया गया तत्पश्चात् माननीया कुलपति जी द्वारा चाक पर बर्तन बनाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में कुलसचिव जी समस्त निदेशकगण एवं उपस्थित शिक्षक तथा कर्मचारीगणों द्वारा भी चाक पर बर्तन बनाने के प्रयास किये गये। सभी ने उत्साह के साथ बर्तन निर्माण में सहयोग किया।

कार्यक्रम के दौरान माननीया कुलपति जी के कर कमलों द्वारा श्री नन्दलाल जी एवं सोनकली जी को अंगवस्त्र एवं मिष्ठान प्रदान कर सम्मान किया गया।

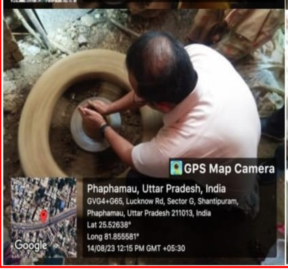

'मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए,मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि'

77वाँ स्वतंत्रता दिवस,

15 अगस्त, 2023

गुमनाम नायकों का नमन

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकीर की योजना को साकार करते हुए दिनांक 15 अगस्त 2023 को उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के मानविकी विद्याशाखा के तत्वावधान में **'वीरों का वंदन' तथा 'मिट्टी एन्थम'** कार्यक्रम तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाह्न 10:30 बजे आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत **'गुमनाम नायकों का नमन'** विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गयी तथा 'माटी गीत' का गायन किया गया।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर 'वीरों का वंदन एवं 'माटी एन्थम' कार्यक्रम के अन्तर्गत 'गुमनाम वीर नायकों को नमन' विषय पर संगोष्ठी एवं माटी गीत कार्यक्रम 77वें स्वतंत्रता दिवस पर लोकमान्य तिलक सभागार में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति माननीया प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। तदुपरान्त मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। तत्पश्चात मानविकी विद्याशाखा के निदेशक तथा कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सत्यपाल तिवारी द्वारा वाचिक स्वागत किया। विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. अतुल कुमार मिश्र ने कहा कि अमृत महोत्सव का आज समापन हो रहा है और अमृतकाल का आरम्भ हो गया है। आगामी 25 वर्षों में भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। प्रो. पी.पी.दुबे निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा ने कहा कि इलाहाबाद के पंडित सुन्दर लाल के बलिदान को याद किया और एक बेर झोर के शहरिया .... गीत भी प्रस्तुत किया। प्रो. सत्यपाल तिवारी निदेशक, मानविकी विद्याशाखा ने कहा कि देश की आजादी में योगदान देने वाले असंख्य लोग हैं जिसमें उच्च, कुलीन, राजा, निर्धन, सन्यासी, नागा आदि ने बढ़चढ़ कर भाग लिया था। इतना ही नहीं नृत्यांगनाओं ने भी अंग्रेजों के विरूद्ध संघर्ष किया। उन्होंने झलकारी बाई, अजीजन बाई राजा चेत सिंह आदि के कृत्यों पर प्रकाश डाला।

प्रो. पी.के. पाण्डेय जी ने बॉदा जिले के शहीदों की सूची प्रस्तुत की और कहा कि 1857 से लेकर 1947 तक के कार्यकाल पर नियमित कार्यक्रम होना चाहिए। प्रो. सन्तोषा कुमार जी ने गाजीपुर व बलिया के वीरों को याद करते हुए गुमनाम नायकों के साथ–साथ गुमनाम शहीद स्थलों की भी खोज करने पर बल दिया। प्रो. पी.के. स्टालिन ने चौरा चौरी घटना में शामिल नामों का जिक करते हुए जौनपुर के बॉके चमार की चर्चा की। प्रो. विनोद कुमार गुप्त ने प्रयागराज के रमेश दत्त मालवीय और रीवां के राजा रघुवीर जी का उल्लेख किया।

इसके पूर्व डॉ. अब्दुल रहमान, डॉ. पुष्पेन्द कुमार वर्मा, श्री परमानन्द उपाधय, श्री अभिमन्यु ने मॉटी गीत प्रस्तुत किया। अंत में माननीय कुलपति जी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस दिवस पर उपस्थित सभी को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले बलिदानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुमनाम नायक अब गुमनाम नहीं रह गये बल्कि उनके नाम सामने आ रहे हैं, इसलिए हमें उनपर गर्व करना चाहिए तथा उनपर विचार एवं शोध की आवश्यकता है। जिससे भविष्य में भी उनके कार्यो को आने वाली पीढ़ी जान सके।

कार्यक्रम में विद्याशाखाओं के निदेशक, आचार्य सह–आचार्य, सहायक आचार्य तथा विश्वविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्मिता अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अनिल कुमार यादव रहे। धन्यवाद् ज्ञापन विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार जी द्वारा दिया गया।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मेरी माटी, मेरा देश

दिनांक 09 अगस्त, 2023 से दिनांक 15 अगस्त, 2023
तक की आख्या

क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर में "मेरी माटी मेरा देश" महोत्सव कार्यक्रम 09 से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय, गोरखपुर में मिशन लाइफ के अन्तर्गत पौधरोपण का कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 11.08.2023 को मोहद्दीपुर स्थित विंध्यवासिनी पार्क में किया गया। इस अवसर पर डॉ0 प्रवीण कुमार ने बताया कि पेड़ पौधो से हमें प्राण वायु प्राप्त होती है। इसके अंधाधुध विनाश से मानव समाज के समक्ष गंभीर संकट उत्पन्न होना प्रांरभ हो गया है। जिस ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी से मानव नहीं चेता, उसका प्रभाव वर्तमान समय में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। इसलिए हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक धरती को हरा भरा रखने में योगदान करें। इस अवसर पर जिलाजीत चौधरी, योगाचार्य प्रमोद कुमार, छोटेलाल, विकास, राममिलन, धर्मेन्द्र कुमार सहित दर्जनों छात्रो ने पौधरोपण कार्यक्रम में सहभाग किया और हरियाली को बढ़ाने में योगदान का संकल्प लिया।

"मेरी माटी, मेरा देश" कार्यक्रम की श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 11.08.2023 को अपराह्न 03:15 बजे मनुष्य जीवन में मिट्टी की महत्ता को रेखांकित करते हुए मिट्टी के बने दिये में ज्योति जलाया गया। यह संकल्प लिया गया कि आगामी त्योहारों एवं उत्सवों में मिट्टी के बने हुए दिये का प्रयोग करेगें। साथ ही अपने देश में बनी हुई वस्तुओं का प्रयोग करने का प्रयास करेगें। हमें गर्व है कि हमारा जन्म इस मिट्टी में हुआ है और हम अपनी मातृभूमि को नमन करते है। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार, कर्मचारीगण व छात्र/छात्राओं ने मिलकर देश के प्रति पंच प्रण का संकल्प लिया।

"मेरी माटी, मेरा देश" कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्रीय केन्द्र, गोरखपुर द्वारा "हर घर तिरंगा, घर–घर तिरंगा" अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 14.08.2023 को तिरंगा रैली क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार के नेतृत्व में निकाली गयी। यह तिरंगा रैली क्षेत्रीय कार्यालय से निकलकर मुख्य अभियंता विद्युत विभाग आवास से होते हुए बिजली विभाग कार्यालय होते हुए सहायक चीनी आयुक्त कार्यालय होते हुए पुनः क्षेत्रीय समन्वयक कार्यालय पर समाप्त हुआ। इस रैली के दौरान मलिन बस्ती के झुग्गी में निवास करने वाले परिवारों को हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत झंडा प्रदान किया गया। जिसे 15 अगस्त को अपने आवास पर लगाने का अनुरोध किया गया।

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर पर "मेरी माटी, मेरा देश" के अंतर्गत दिनांक 14 अगस्त 2023 को अपराहन् 02: 00 बजे वीरों का वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ0 सतीश यादव ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में चौरीचौरा घटना की चर्चा की। इस घटना का स्वतंत्रता आन्दोलन में भूमिका का उल्लेख किया। जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार, राजेन्द्र मौर्य, आशीष कुमार तथा क्षेत्रीय कार्यालय के कर्मचारीगण सुनील कुमार, अमृता उपाध्याय, रामानन्द, रवि कुमार, निर्भय सिंह व रामजतन उपस्थित रहें।

दिनांक 15 अगस्त 2023 को क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार द्वारा ध्वजारोहरण किया गया तत्पश्यात राष्ट्रगान का गायन किया गया। इस अवसर पर डॉ0 राजीव कुमार सिंह चिकित्साधिकारी बांसगाव क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी श्री सुनील चन्द्र, अमृता उपाध्याय, रामानन्द प्रजापति, रवि कुमार, निर्भय नाराणय सिंह, रामजतन एवं छात्र उपस्थित रहें।

दिनांक 15 अगस्त 2023 को क्षेत्रीय केन्द्र गोरखपुर पर क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 प्रवीण कुमार द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं राजर्षि पुरूर्षोत्तम दास टण्डन के चित्र पर पुष्पांजलि किया गया। स्वतंत्रता आन्दोलन में महात्मा गांधी एवं राजर्षि पुरूर्षोत्तम दास टण्डन के योगदान पर चर्चा की गयी

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ
मेरी माटी मेरा देश

15 अगस्त 1947 के दिन हमारा देश अंग्रेजों से आजाद हुआ था। अंग्रेजों ने सालों तक भारत को गुलामी की जंजीर से जकड़ कर रखा था। भारत को आजादी दिलाने के लिए कई स्वतंत्रता सेनानियों ने कठोर संघर्ष किया है। आजादी की यह लड़ाई 1857 में शुरू हुई थी, और इस लड़ाई का अंत 1947 में हुआ था। इस लड़ाई में हमारे लाखों स्वतंत्रता सेनानी शहीद हुए थे। स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद हुए सभी स्वतंत्रता सेनानियों को स्मरण करने के लिए 'मेरी माटी मेरा देश' 9 अगस्त से कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

मेरी माटी मेरा देश महोत्सव के तहत क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में दिनांक 11 अगस्त को केंद्र समन्वयक डॉ. नीरांजलि सिन्हा, श्री संजय कुमार, श्री सोनू कुमार और केंद्र के शिक्षार्थियों ने साथ मिलकर वृक्षारोपण किया।

पंच–प्रण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत दिनांक 14 अगस्त 2023 को देश के प्रति पंच प्रण का संकल्प लिया गया। इसके साथ ही अपने देश की मिट्टी को नमन करते हुए मिट्टी के प्रकाशित दिए को हाथ में लेकर सभी ने प्रतिज्ञा ली की हम सदैव मिट्टी के दिए का ही उपयोग करेंगे एवम अपने चारो तरफ रहने वाले लोगो को भी स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

क्षेत्रीय केंद्र में स्वतंत्रता दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्र गान, देश भक्ति के गीत सारे जहां से अच्छा....., होंगे कामयाब...., ओ सपूतों भारत की तकदीर बना दो...., सुनो गौर से दुनिया वालो...., तेरी मिट्टी में मिल जाऊ..... गाए गए।

देश की मिट्टी को वंदन करते हुए माटी के गीत देवभूमि मेरी मातृ भूमि जोश के साथ गाए गए। ऐसे वीर सपूतों का स्मरण करते हुए वंदे मातरम का जयघोष किया गया।

वीरों को वंदन

भारत भूमि की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीरों की वीरगाथा पर परिचर्चा

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में दीप जला कर देश के वीर सपूतों को याद किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में दीप जला कर पंच प्रण लिया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में वीरों का वन्दन और देश के वीर शहीदों को याद कर परिचर्चा।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में एक सार्वजनिक पार्क में वृक्षारोपण कार्यक्रम का अयोजन किया गया जिसमें पीपल, ऑवला, बेल, अमरूद, नीम कुल 10 पौधों को लगाया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर ध्वजारोहण कार्यक्रम

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में निबन्ध प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अध्ययन केन्द्र बौहरे पातीराम डिग्री कालेज पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ मुकेश वशिष्ठ, महेश शर्मा, रीतेश गौड़, नीतेश मिश्रा, मुकेश चौधरी, सुरेश कुमार उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में चित्रकला प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

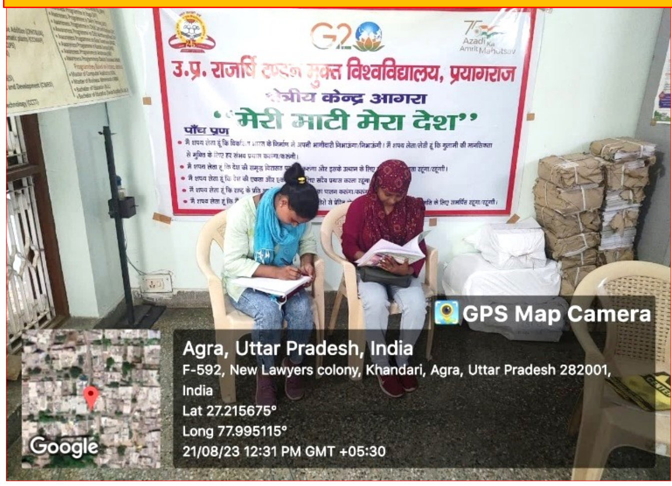

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अध्ययन केन्द्र डॉ वीरेन्द्र सिंह महाविद्यालय पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में रंगोली प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र आगरा के अध्ययन केन्द्र डी.वी.एस.कालेज पर मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में चित्रकला एवं निबन्ध प्रतियोगिता का अयोजन किया गया।

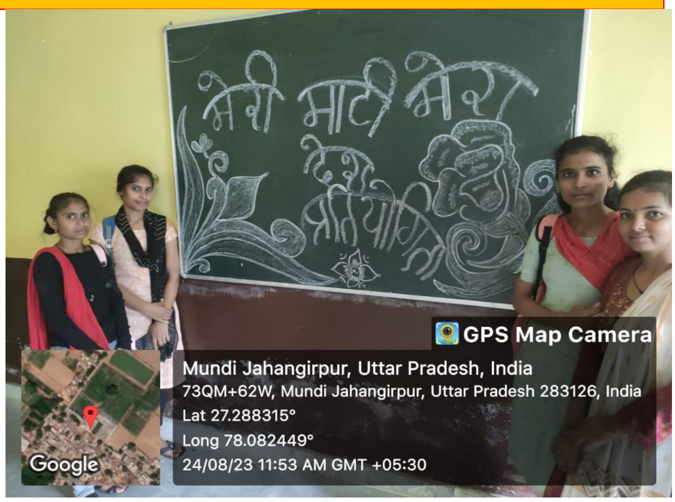

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

मेरा माटी, मेरा देश

दिनांक 09 अगस्त 2023 से दिनांक 15 अगस्त 2023 तक की आख्याः–

क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ

कार्यक्रम संख्याः– एक

पौधारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ में **"मेरी माटी मेरा देश"** महोत्सव कार्यक्रम 09 अगस्त से 15 अगस्त तक मनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम की श्रृंखला के अंतर्गत क्षेत्रीय कार्यालय, मेरठ के अन्तर्गत पौधरोपण का कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 14.08.2023 को सुबह 11:36 बजे बुढ़ाना गेट मेरठ स्थित जीमखाना मैदान में किया गया। इस अवसर पर डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने बताया कि पेड़ पौधो से हमें शुद्ध आक्सीजन प्राप्त होती है इसके द्वारा पर्यावरण प्रदूषण से बचा जा सकता है। एक स्वस्थ पेड़ हर दिन लगभग 230 लीटर ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे सात लोगों को प्राण वायु मिल पाती है। यदि हम इसके आसपास कचरा जलाते हैं तो इसकी ऑक्सीजन उत्सर्जित करने की क्षमता आधी हो जाती है। इस तरह हम तीन लोगों से उसकी जिंदगी छीन लेते हैं। आज पेड़ों की कटाई पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। इसलिए पौधे लगाने के साथ–साथ हमें पेड़ों को बचाने की जरूरत है। इसके लिए हमें जागरूक होने की जरूरत है। अपने आसपास पेड़ों को न कटने दें, उसका विरोध करें। उसके आसपास आग न लगाएं। इसके अलावा किसी भी स्थान पर 50 मीटर की दूरी पर एक पेड़ जरूर होना चाहिए। इससे वहां के रहवासियों को पर्याप्त मात्रा में शुद्ध हवा मिलेगी। और लोग स्वस्थ रहेंगे। इसलिए हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि अधिक से अधिक धरती को हरा भरा रखने में योगदान करें। इस अवसर पर डॉ. बीना, डॉ. निशा, डॉ. ममता एवं श्री अमित जी श्रीमति कवित अग्रवाल, श्री मिथिलेश तिवारी, श्री आशीष पाण्डेय, योगाचार्य धीरज साह सहित कई छात्रो ने पौधरोपण कार्यक्रम में सहभाग किया और हरियाली को बढ़ाने में योगदान का संकल्प लिया।

कार्यक्रम संख्याः– दो

पंचप्रण

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ पर **"मेरी माटी, मेरा देश"** कार्यक्रम की श्रृंखला के अन्तर्गत दिनांक 14.08.2023 को अपराह्न 03:15 बजे मनुष्य जीवन में मिट्टी की महत्ता को रेखांकित करते हुए मिट्टी के बने दिये में ज्योति जलाया गया। यह संकल्प लिया गया कि आगामी त्योहारों एवं उत्सवों में मिट्टी के बने हुए दिये का प्रयोग करेगें। साथ ही अपने देश में बनी हुई वस्तुओं का प्रयोग करने का प्रयास करेगें। हमें गर्व है कि हमारा जन्म इस मिट्टी में हुआ है और हम अपनी मातृभूमि को नमन करते है। क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी, श्री मिथिलेश कुमार तिवारी, श्री आशीष पाण्डेय व छात्राओं ने मिलकर देश के प्रति पंच प्रण का संकल्प लिया।

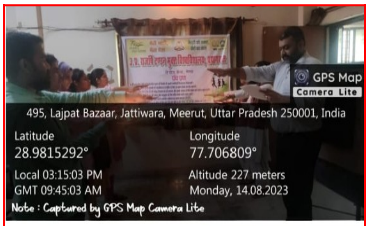

कार्यक्रम संख्याः– तीन

वीरों का वंदन

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र, मेरठ पर **"मेरी माटी, मेरा देश"** के अंतर्गत दिनांक 14 अगस्त 2023 को अपराह्न् 03:30 बजे वीरों का वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ0 त्रिविक्रम तिवारी ने बताया कि ब्रिटिश हुकुमत के जुल्म के खिलाफ मेरठ से ही 10 मई 1857 को क्रांति का आगाज हुआ था। उस वक्त मेरठ छावनी में क्षेत्र स्थित औघड़नाथ मंदिर का विशेष योग्दान था। इतिहासकार बताते है कि मंदिर के पुजारी ने भारतीय सैनिकों के आत्मसम्मान को ललकारा था।ब्रिटिश हुकुमत के अत्याचार से देश को मुक्त कराने के लिए सैनिकों के साथ आमजन के मन भी स्वतंत्रता की आग काफी समय से दहक रही थी। इसी आग ने 10 मई 1857 को विकराल रूप धारण कर लिया। मेरठ से शुरू हुए इस स्वतंत्रता संग्राम रूपी यज्ञ में पड़ोसी जनपदों ने भी खूब आहूति दी। देखते ही देखते क्रांति ने अंग्रेजी शासन की नीव ही हिला दी। आजादी के लिए शुरू हुई क्रांति का परिणाम यह हुआ कि भोले–भाले भारतीयों की आंखों में भी स्वतंत्र भारत का सपना बस गया। मेरठ से शुरू हुई क्रांति को 10 मई 2023 को 166 साल पूरे हो रहे हैं। 10 मई 1857 को शुरू हुई क्रांति में मेरठ छावनी में क्षेत्र स्थित औघड़नाथ मंदिर का विशेष योग्दान था। इतिहासकार बताते है कि मंदिर के पुजारी ने भारतीय सैनिकों के आत्मसम्मान को ललकारा था।

मंदिर से कुछ दूर स्थित एतिहासिक कुएं पर सैनिकों ने अंग्रेजों को मार गिराने की कसम खाई थी। वर्तमान में उसी कुएं पर शहीद स्मारक का निर्माण कराया गया। तब औघड़नाथ मंदिर के पीछे स्थित मैदान पर अंग्रेजों का सैनिक प्रशिक्षण केंद्र था। बताते है कि मंदिर के पुजारी बाबा शिवचरण दास ने सैनिकों को इस लिए मंदिर के कुएं का पानी पिलाने से इंकार कर दिया, क्योंकि हिंदू सैनिक गाय और मुसलमान सैनिक सूअर की चर्बी से बने कारतूसों को मुंह से लगा रहे थे। इसके अलावा लगातार होते अपमान से भी सैनिकों के मन में आक्रोश पनप रहा था। सैनिकों का आत्म सम्मान जागा और 85 सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। जिसमें मगंल पाण्डेय की अग्रणी भूमिका रही। तब भड़के सैनिकों ने 50 से ज्यादा अंग्रेज अफसरों–सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। इसकी शुरूआत कर्नल जान फिनिस की हत्या से हुई थी। इस अवसर पर डॉ. बीना, डॉ. निशा, डॉ. ममता एवं श्री अमित जी श्रीमति कवित अग्रवाल, श्री मिथिलेश तिवारी, श्री आशीष पाण्डेय, योगाचार्य धीरज साह सहित कई छात्रो ने अपने विचार रखें।

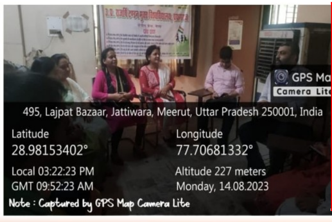

कार्यक्रम संख्याः– चार

स्वतंत्रता दिवस

"मेरी माटी मेरा देश" महोत्सव कार्यक्रम 09 अगस्त से 15 अगस्त के अंतर्गत 12.08.2023 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागरज के क्षेत्रीय कार्यालय झाँसी द्वारा बजरंग बली के मन्दिर के प्रागण में बेल, अमरूद, नीम आदि फलदार पौधे लगाये गये। जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डा० रेखा त्रिपाठी एवं कर्मचारी श्री शिव कुमार कुशवाहा श्री अतुल दुबे और मंदिर के पुजारी आदि उपस्थित रहें।

"मेरी माटी मेरा देश" महोत्सव कार्यक्रम 09 अगस्त से 15 अगस्त के अंतर्गत 12.08.2023 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागरज के क्षेत्रीय कार्यालय झाँसी द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में पंच प्रण शपथ लेते हुये डा० रेखा त्रिपाठी ने सन्देश दिया कि हम अपने देश में निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करेंगे एवं सभी तीज त्यौहारों पर मिट्टी के बने दिये आदि का प्रयोग करेंगे, मुझे गर्व है कि मेरा जन्म इस मिट्टी में हुआ है मैं नमन करती हूँ। इस मिट्टी को। इस अवसर पर डा० कौशल त्रिपाठी ने कहा कि हम अपनी देश की मिट्टी को नमन करते हैं। वन्दन करते हैं। और प्रण करते हैं कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभायेंगे। डा० डी०एस० गुप्ता रितेश दुबे अमित दुबे चैतन्य गुप्ता कर्मचारी श्री शिव कुमार कुशवाहा श्री अतुल दुबे आदि उपस्थित रहे हैं।

"मेरी माटी मेरा देश" महोत्सव कार्यक्रम 09 अगस्त से 15 अगस्त के अंतर्गत 12.08.2023 उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागरज के क्षेत्रीय कार्यालय झाँसी द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम में पंच प्रण शपथ लेते हुये डा० रेखा त्रिपाठी ने सन्देश दिया कि हम अपने देश में निर्मित वस्तुओं का ही प्रयोग करेंगे एवं सभी तीज त्यौहारों पर मिट्टी के बने दिये आदि का प्रयोग करेंगे, मुझे गर्व है कि मेरा जन्म इस मिट्टी में हुआ है मैं नमन करती हूँ। इस मिट्टी को। इस अवसर पर डा० कौशल त्रिपाठी ने कहा कि हम अपनी देश की मिट्टी को नमन करते हैं। वन्दन करते हैं। और प्रण करते हैं कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभायेंगे। डा० डी०एस० गुप्ता रितेश दुबे अमित दुबे चैतन्य गुप्ता कर्मचारी श्री शिव कुमार कुशवाहा श्री अतुल दुबे आदि उपस्थित रहे हैं।

उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी पर पंच प्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत 14.08.2023 आज विभाजन की विभीषिका के स्मरण में देश की स्वंत्रन्त्रता दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों की याद में उनके बलिदान को याद करते हुये वीरों का वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें श्रृद्धा सुमन अर्पित करते हुए डा० रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक झाँसी डा० डी०एस० गुप्ता रितेश अमित कर्मचारी श्री शिवकुमार कुशवाहा अतुल दुबे आदि लोगो ने दीप प्रज्वलित किया गया।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी पर मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत आज अन्तिम दिन 15 अगस्त को 77 वां स्वतंत्रता दिवस बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। क्षेत्रीय समन्वयक डा० रेखा त्रिपाठी क्षेत्रीय समन्वयक झाँसी ने ध्वजारोहण किया। स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर भोज का आयोजन किया गया जिसमें डा० केश गुप्ता, डा० डी०एस० गुप्ता, चैतेन्य, रितेश दुबे, प्रदीप कुमार पाण्डेय, कैलाश, शिव कुमार कुशवाहा, अमित दुबे, अतुल दुबे आदि लोग उपस्थित रहे। तथा वीर सपूतों का याद एवं नमन किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय, बरेली

मेरी माटी मेरा देश महोत्सव

वृक्षारोपण

क्षेत्रीय केंद्र बरेली

पंच प्रण

उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बरेली पर **मेरी माटी मेरा देश** अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 14 अगस्त 2023 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के प्रोजेक्ट पर कार्यरत रिटायर्ड प्रोफेसर संध्या मिश्रा विभागाध्यक्ष बरेली कॉलेज, बरेली ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में रोहिलखंड डिवीजन के वीरों के योगदान की भूमिका पर चर्चा की ।

क्षेत्रीय कार्यालय बरेली

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज

क्षेत्रीय कार्यालय, आजमगढ़

मेरा माटी, मेरा देश

वृक्षारोपण

क्षेत्रीय कार्यालय आजमगढ़

पंच प्रण

क्षेत्रीय कार्यालय आजमगढ़

स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त2023

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में दिनॉक 15.08.2023 को वीरो का वंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर देश की आजादी में अपने प्राणों की बाजी लगा देने वाले वीरों को नमन और वंदन किया गया। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अशफाक उल्ला खॉं को काकोरी डकैती मामले में 19 दिसम्बर 1927 को फैजाबाद जेल में फॉंसी दे दी गई थी। सभी ने उनके कहे अंतिम शब्द '' जाऊंगा खाली हाथ मगर ये दर्द साथ ही जायेगा ....'' को दुहरा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सभी ने देशभक्ति गीतों का गा कर शहीदों को याद किया।

'' कस ली है कमर अब तोए कुछ करके दिखाएंगे,

आजाद ही हो लेगें, या सर ही कटा देगें ।।''

– अशफाक उल्ला खॉं

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में दिनॉक 14.08.2023 को मिट्टी दिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र के सभी कर्मचारी एवं शिक्षार्थियों ने अपने हाथ में मिट्टी का दीपक लेकर पंच प्रण लिया। क्षेत्रीय समन्वयक ने सभी को अपने गांव एवं शहर में हर किसी को मिट्टी के बने सामानो एवं दीपक का उपयोग एवं महत्व को जन–जन तक पहुंचाने हेतु लोगों को जागरूक करने के लिए प्रोत्साहित किया।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में दिनॉक 11.08.2023 को मेरी माटी, मेरा देश कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर क्षेत्रीय समन्वयक, योग गुरु डॉ. चैतन्य, शिक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण किया तथा लोगों को अपने आस पास के क्षेत्रों में पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केन्द्र अयोध्या में दिनांक 15.08.2023 को राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम योगाचार्य डॉ चैतन्य मुख्य अतिथि के रूप में रहें।

क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त को क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा पर 'स्वतंत्रता सेनानी चर्चा'' महोत्सव का आयोजन किया गया , जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी और श्री महिपाल सिंह, श्री बिजेन्द्र सिंह , डॉ. अभिनव, हेमन्त , नीरज, गोविंद, धीरज , दीपा, नीलम, पूनम, प्रीति, पूजा, ममता, अनिल वर्मा , हरपाल सिंह, बिधूड़ी आदि 58 छात्र छात्राओं ने प्रेरणादायी और साहसी वीरांगना 'दुर्गा भाभी का शौर्य ' विषय पर चर्चा की और "तेरी मिट्टी में मिल जावां ....' आदि गीत गाये , जिसने सभी मे देशभक्ति का जोश भर दिया ।

क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत आज दिनांक 15 अगस्त को क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा पर 'स्वतंत्रता दिवस' का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी के साथ संयुक्त क्षेत्र प्रचार प्रमुख माननीय कृपाशंकर जी, श्री रामकुमार जी, अभिषेक जी, श्री निर्दोष जी, डॉ. अनिल त्यागी जी, आनंद पांडेय जी, नीरज जी, धीरज जी उपस्थिति रही ।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त को क्षेत्रीय कार्यालय , नोएडा पर 'माटी को नमन' महोत्सव का आयोजन किया गया , जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक द्वारा श्री महिपाल सिंह, श्री बिजेन्द्र सिंह , डॉ. अभिनव , हेमन्त, धीरज , नीलम , पूनम , प्रीति, पूजा बिधूड़ी आदि 26 छात्र छात्राओं के साथ मिलकर वृक्षारोपण किया गया।

क्षेत्रीय कार्यालय नोएडा

मेरी माटी मेरा देशअभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त को क्षेत्रीय कार्यालय , नोएडा पर 'पंच प्रण' महोत्सव का आयोजन किया गया , जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक डॉ. कविता त्यागी के साथ श्री महिपाल सिंह, श्री बिजेन्द्र सिंह, डॉ. अभिनव, हेमन्त , नीरज , गोविंद, धीरज, दीपा, नीलम , पूनम , प्रीति , ममता, अनिल वर्मा , हरपाल सिंह, पूजा बिधूड़ी आदि 52 छात्र छात्राओं ने मिट्टी के दीपक प्रज्जवलित करके विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाने, गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के लिए हर संभव प्रयास करने, देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करने और इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करने , देश की एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयास करता रहने, राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों व दायित्वों का पालन करने तथा देश के गौरव के लिए प्राण देने वाले वीरों से प्ररित होकर राष्ट्र की रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहने की शपथ ली ।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत दिनांक 11 अगस्त को क्षेत्रीय कार्यालय , नोएडा पर 'वीरों का वंदन' महोत्सव का आयोजन किया गया , जिसमें क्षेत्रीय समन्वयक द्वारा श्री महिपाल सिंह , श्री बिजेन्द्र सिंह ममता, अनिल वर्मा , हरपाल सिंह, डॉ. अभिनव , हेमन्त , धीरज , नीलम , पूनम , प्रीति , पूजा बिधूड़ी आदि 38 छात्र छात्राओं के साथ मिलकर सैक्टर 62 में वंदेमातरम, भारत माता की जय का उद्घघोष और देशभक्ति गीत गाते हुए राष्ट्रीय ध्वज के साथ पद संचलन किया गया।

क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 14 अगस्त 2023 को क्षेत्रीय केंद्र के में डॉ अभिषेक सिंह एवं शिक्षक कर्मचारी गण विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने सम्मिलित रूप से पंच प्रण का संकल्प लिया। इसके साथ ही अपने देश की मिट्टी को नमन करते हुए मिट्टी के प्रकाशित दीया को हाथ में लेकर सभी ने प्रतिज्ञा ली कि हम सदैव मिट्टी के बने दीयों का ही उपयोग करेंगे हम अपने आस पास रहने वाले लोगों को भी मिट्टी के बने दीयों का ही उपयोग करने के लिए जागरूक करेंगे।

क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अर्न्तगत आज दिनांक 15 अगस्त 2023 को 76वे स्वतत्रंता दिवस के ध्वजारोहण समारोह मे क्षेत्रीय कार्यालय, के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० एस०के० सिंह , समस्त कर्मचारीगण एवं छात्र छात्रा सम्मिलित हुये। साथ ही साथ प्रभात फेरी भी की गयी।

क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अर्न्तगत आज दिनांक 15 अगस्त 2023 को 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय, के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ० एस०के० सिंह , समस्त कर्मचारीगण एवं छात्रो ने सहभाग किया ।

क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के क्षेत्रीय कार्यालय,वाराणसी पर मेरी माटी मेरा देश अभियान के अर्न्तगत आज दिनांक 23 अगस्त 2023 को 77वे स्वतत्रंता दिवस के के अवसर पे क्षेत्रीय कार्यालय, के क्षेत्रीय समन्वयक डॉ0 एस0के0 सिंह , समस्त कर्मचारीगण एवं छात्र छात्राओ के द्वारा निबन्ध लेखन का आयोजन किया गया।

News Letter
मुक्त चिन्तन
उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
11 अगस्त, 2023

मविवि के बीएड एवं बीएड स्पेशल की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

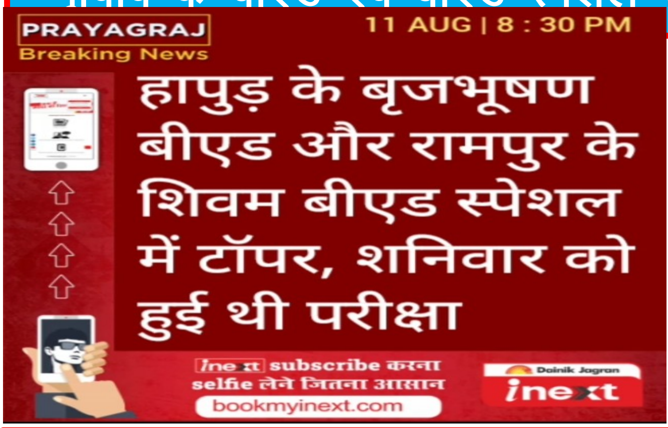

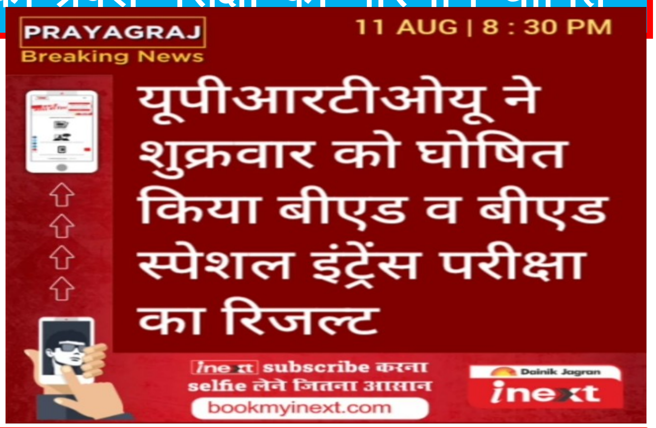

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की सत्र 2023– 24 की बीएड एवं बीएड स्पेशल एजुकेशन की प्रवेश परीक्षा का परिणाम शुक्रवार दिनांक 11 अगस्त, 2023 को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने घोषित कर दिया। परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

प्रवेश परीक्षा गत शनिवार को प्रदेश के 10 जिलों के 15 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित की गई थी। विश्वविद्यालय ने निर्धारित तिथि से पूर्व ही परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया। इसके लिए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के प्रति आभार व्यक्त किया। बता दें कि इसके पूर्व विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम परीक्षा के मात्र 5 घंटे बाद ही घोषित कर रिकॉर्ड कायम किया था।

प्रवेश परीक्षा आयोजन एवं संचालन समिति के समन्वयक प्रोफेसर पी. के. पाण्डेय ने बताया कि बी एड प्रवेश परीक्षा में हापुड़ के बृजभूषण शर्मा प्रथम स्थान पर रहे जबकि बी एड स्पेशल एजुकेशन में रामपुर के शिवम गंगवार ने मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों प्रवेश परीक्षाओं में प्रथम 10 स्थान पाने वाले अभ्यर्थियों की वरीयता सूची भी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डिस्प्ले कर दी गई है।

प्रोफेसर पाण्डेय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सहूलियत का ध्यान रखते हुए प्रवेश परीक्षा प्रदेश के आगरा, अयोध्या, बरेली, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मेरठ, वाराणसी एवं प्रयागराज में आयोजित की गयी थी। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही विश्वविद्यालय प्रवेश हेतु काउंसलिंग की तिथि निर्धारित करेगा। जिसकी सूचना सफल अभ्यर्थियों को प्रेषित की जाएगी।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

12 अगस्त, 2023

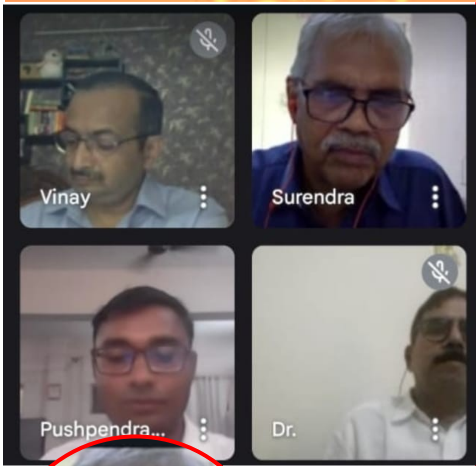

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

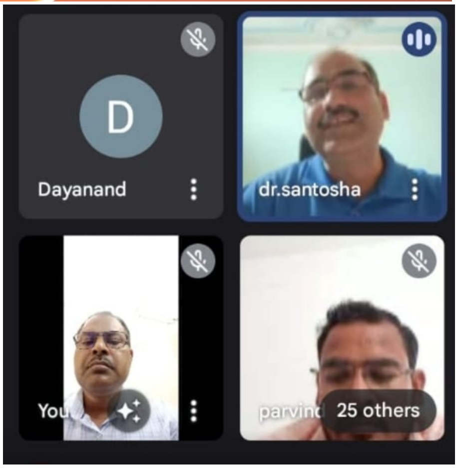

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से समाधान करें रैगिंग का– प्रोफेसर पी के साहू

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार दिनांक 12 अगस्त, 2023 को 'उच्च शिक्षण संस्थाओं में शान्ति एवं अहिंसा' विषय पर ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. पी. के. साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें। शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें। प्रोफेसर साहू ने कहा कि शांति के तीन पक्ष हो सकते हैं।आत्मिक, पारिवारिक व सामूहिक। तीनों में तालमेल बनाते हुए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां शांति एवं सुरक्षा का भाव प्रकट हो।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है।

कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा व डा आर. एन. सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारियों व शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

हिन्दी दैनिक

भारत कनेक्ट

लखनऊ, रविवार, 13 अगस्त 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

आज

प्रयागराज, रविवार १३ अगस्त, २०२३

भयावह रूप धारण कर चुकी है रैगिंग की गलत परम्परा-प्रो. साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस का आयोजन

फाफामऊ (प्रयागराज)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन ... देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। ... लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के

आनंदी मेल

लखनऊ, रविवार, 13 अगस्त, 2023

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से समाधान करें रैगिंग का : प्रो.पी. के.साहू

संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो.पी.के. साहू पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का

RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com रविवार 13 अगस्त, 2023 वर्ष: 01. अंक: 150. पृष्ठ: 8. मूल्य: 2 रु. प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से समाधान करें रैगिंग का- प्रोफेसर पी के साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

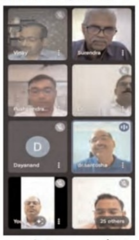

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो पी के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है।

उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें।

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें। शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें।

प्रोफेसर साहू ने कहा कि शांति के तीन पक्ष हो सकते हैं।आत्मिक, पारिवारिक व सामूहिक। तीनों में तालमेल बनाते हुए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां शांति एवं सुरक्षा का भाव प्रकट हो।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है।

कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा व डा आर. एन. सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारियों व शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

NORTHERN INDIA PATRIKA

Educational institutions should deal with ragging in systematic way- Prof. Sahu

Prayagraj: On the occasion of Anti Ragging Day, an online orientation program was organized by the Education branch of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University (UPRTOU) on Saturday.

On this occasion, the chief guest and keynote speaker of the program, Prof. P.K. Sahu, former Vice-Chancellor, University of Allahabad, said that India is definitely establishing its power on the world in the era.

He said that the evil tradition of ragging in today's era has taken an evil turn. This needs to be challenged in all educational institutions. Prof. Sahu said that there is a need to remove the menacing situation of ragging so that students can learn in a calm environment.

Prof. Sahu said that the behavior of higher educational institutions should be made such that all the students move forward by working together and cooperating with each other. He said that there can be three sides of peace i.e spiritual, family and collective. Creating harmony in all three, we have to create such an environment, where the sense of peace and security is manifested.

Presiding over the program Prof. S Kumar, Director, Social Science Studies Branch said that the philosophy is at the core of India is the legacy of Mahatma Buddha. He inspired to follow the path shown by Gautam Buddha. He said truth and non-violence are two sides of the same coin. At the beginning of the program, the academics were welcomed by Prof. PK Stalin, Director, Education Department.

Dr. Surendra Kumar introduced the guests present on stage and Dr. Bal Govind Singh explained in detail about the subject matter of the program. The program was conducted by Dr. Pushpendra Kumar Verma and the vote of thanks was proposed by Col. Vinay Kumar, Registrar. Parvind Kumar Verma and Dr. R. N. Singh assisted with documentation. Director, prof, associate professor, assistant professor, staff and students participated in the online orientation program.

रविवासरीय हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

शिक्षण संस्थान रैगिंग का संगठित तरीके से करें समाधानः प्रो. साहू

- मुक्त विवि में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम
- वक्ताओं ने कहा, भयावह रूप धारण कर चुकी है रैगिंग

प्रयागराज, संवाददाता। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि प्रो. पीके साहू ने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है, वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुकी है।

सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है, वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर प्रो. पीके स्टालिन, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. बाल गोविंद सिंह, डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वर्मा, रजिस्ट्रार कर्नल विनय कुमार, परविंद कुमार वर्मा व डॉ. आरएन सिंह आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय पुस्तकालय में जयंती पर डॉ. रंगनाथ को याद किया

प्रयागराज। केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय में शनिवार को पद्मश्री डॉ एसआर रंगनाथ की 131वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विवेक कुमार, सलाहकार अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग बोर्ड और अध्यक्ष डॉ बीके सिंह रहे। अतिथियों का स्वागत रूशी श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में त्रिधारा पुस्तक का विमोचन सुरेन्द्र कुमार तिवारी ने किया। सविता सिंह, रेखा सिंह, सरोज सिंह, शिवेन्द्र, केपी सिंह आदि मौजूद रहे।

दैनिक अमृत प्रभात

वर्ष-47 अंक-222 प्रयागराज, रविवार 13 अगस्त 2023 पृष्ठ-12 मूल्य-3.50 रुपया

जनता के साथ जनता की आवाज

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से रैगिंग का करें समाधान : प्रो. पीके साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. पी.के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है।

प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें। शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें।कहा कि शांति के तीन पक्ष हो सकते हैं।आत्मिक, पारिवारिक व सामूहिक। तीनों में तालमेल बनाते हुए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां शांति एवं सुरक्षा का भाव प्रकट हो।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो. एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है।कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ. सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ. बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा व डॉ. आर.एन. सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारियों व शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

पायनियर

लखनऊ, रविवार, 13 अगस्त, 2023

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से रैगिंग का करें समाधान : प्रो. पी के साहू

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो पी के साहू पूर्व कुलपति इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त हैं। यह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रो साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें। शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें। अध्यक्षता कर रहे प्रो एस कुमार निदेशक समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य और अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है। कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया।कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा और डा आर एन सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक आचार्य सह आचार्य सहायक आचार्य कर्मचारियों और शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। यह जानकारी डॉ प्रभात चंद्र मिश्र मीडिया प्रभारी ने दी।

अमर उजाला

प्रयागराज | रविवार, 13 अगस्त 2023

शिक्षण संस्थान संगठित होकर रोकें रैगिंगः साहू

प्रयागराज। रैगिंग की शिकायतें तेजी से बढ़ी रहीं हैं। शिक्षण संस्थानों को साथ मिलकर रैगिंग की समस्या का समाधान करना होगा। यह बात इविवि के पूर्व कुलपति प्रो. पीके साहू ने एंटी रैगिंग दिवस पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि की ओर से आयोजित ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में कही।

उन्होंने रैगिंग की समस्या को भयावह बताते हुए कहा कि सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. एस. कुमार, संचालन डॉ. पुष्पेंद्र कुमार वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

वहीं, ईसीसवी में रैगिंग और इसके परिणामों पर आयोजित वेबिनार में मुख्य वक्ता इविवि के डॉ. राघवेंद्र मिश्र ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण रैगिंग जैसी कुप्रथा विकसित हो रही है। दूसरे वक्ता के रूप में इविवि के डॉ. प्रचेतस ने कहा कि हम प्रेम के जरिये लोगों के अंदर सद्भाव जगा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वप्निल श्रीवास्तव ने किया। ब्यूरो

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से रैगिंग का समाधान करें : प्रोफेसर पी के साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार) । उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो पी के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है। कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा व डा आर. एन. सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारियों व शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण

www.inextlive.com

'संस्थान संगठित तरीके से करें रैगिंग का समाधान'

prayagraj@inext.co.in

PRAYAGRAJ (12 Aug): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के पूर्व वीसी प्रो पीके साहू ने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है, वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है. सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है. कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें.

सभी छात्र एक-दूसरे का सहयोग करें

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें. शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें. प्रोफेसर साहू ने कहा कि शांति के तीन पक्ष हो सकते हैं. आत्मिक, पारिवारिक व सामूहिक. तीनों में तालमेल बनाते हुए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां शांति एवं सुरक्षा का भाव प्रकट हो. अध्यक्षता कर रहे प्रो एस कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है. उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया. कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है. सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं. बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है.कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रो. पीके स्टालिन द्वारा किया गया. आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने बताया. संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया. परविंद कुमार वर्मा व डा आरएन सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया.

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

रविवार, 13 अगस्त 2023

www.tijaratnews.com

भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है: प्रो एस. कुमार

तिजारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो पी के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रो साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थाओं का व्यवहार ऐसा बनाना चाहिए कि सभी विद्यार्थी एक दूसरे के साथ मिलकर एवं एक दूसरे का सहयोग करते हुए आगे बढ़ें। शिक्षण संस्थान सभी कठिनाइयों का संगठित तरीके से समाधान करने का प्रयास करें। प्रो साहू ने कहा कि शांति के तीन पक्ष हो सकते हैं।आत्मिक, पारिवारिक व सामूहिक तीनों में तालमेल बनाते हुए हमें ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जहां शांति एवं सुरक्षा का भाव प्रकट हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है। कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफ़ेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग

वर्ष : 29 | अंक : 283 प्रयागराज | रविवार , 13 अगस्त 2023 पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये

www.dailylokmitra.com

शिक्षण संस्थान संगठित तरीके से समाधान करें रैगिंग का: प्रोफेसर पी के साहू

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग दिवस पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम

लोकमित्र ब्यूरो

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज की शिक्षा विद्या शाखा द्वारा एंटी रैगिंग दिवस के अवसर पर शनिवार को ऑनलाइन ओरियंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो पी के साहू, पूर्व कुलपति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने कहा कि निश्चित रूप से भारत परिवर्तन के इस दौर में विश्व पटल पर अपनी श्रेष्ठता स्थापित किए हुए है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में रैगिंग की जो कुपरंपरा व्याप्त है। वह निश्चित रूप से भयावह रूप ग्रहण कर चुका है। सभी शैक्षिक संस्थानों में इसे चुनौती देने की जरूरत है। प्रोफेसर साहू ने कहा कि रैगिंग की भयावह स्थिति को दूर करने की आवश्यकता है ताकि शांत वातावरण में विद्यार्थी खुद को समाहित करते हुए शिक्षा ग्रहण करें।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रो एस. कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा ने कहा कि भारत के मूल में जो दर्शन है वह महात्मा बुद्ध की विरासत है। उन्होंने गौतम बुद्ध के द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अहिंसा के बिना सत्य की खोज असंभव है। सत्य व अहिंसा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। बुद्ध के व्यक्तित्व से व्यक्ति बनने पर बल देना आज के वातावरण की प्रासंगिकता है।कार्यक्रम के आरंभ में विद्वतजनों का वाचिक स्वागत शिक्षा विद्या शाखा के निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन द्वारा किया गया। आभासी मंच पर उपस्थित अतिथियों का परिचय डॉ सुरेंद्र कुमार ने तथा कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में डॉ बाल गोविंद सिंह ने विस्तार से बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार, कुलसचिव ने किया। परविंद कुमार वर्मा व डा आर. एन. सिंह ने दस्तावेजीकरण में सहयोग प्रदान किया। ऑनलाइन ओरिएंटेशन कार्यक्रम में निदेशक, आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, कर्मचारियों व शिक्षार्थियों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

कुम्हार के चाक पर दिए बनातीं
माननीया कुलपति जी

मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

... देश अभियान के अंतर्गत माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कुम्हार के चाक पर मिट्टी के दिए बनाए। इस अवसर पर उन्होंने कुम्हार के परिजनों को सम्मानित भी किया। फाफामऊ बाजार में मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारी जब कुम्हार के यहां पहुंचे तो वहां कौतूहल का वातावरण उत्पन्न हो गया। इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, डॉ मीरा पाल एवं निदेशकों ने कुम्हार के चाक पर अपना हुनर दिखाया और मिट्टी के दिए एवं बर्तन बनाएं।

मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि

स्वास्थ्य विज्ञान विद्या शाखा द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में 151 दीपों को प्रज्वलित कर शहीदों को नमन किया गया। इस अवसर पर पंच प्रण शपथ एवं वसुधा वंदना की गयी।

मुक्त विश्वविद्यालय का परिसर आज देशभक्ति से सराबोर रहा। रैपिड एक्शन फोर्स के कमांडेंट ने जवानों के साथ विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह को तिरंगा भेंट किया। देशभक्ति परक नारों से परिसर गुंजायमान हो उठा।

छात्रों ने खाई एंटी रैगिंग की शपथ

एक अन्य कार्यक्रम में आज एंटी रैगिंग सप्ताह के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में प्रातः 10:45 बजे विश्वविद्यालय के शिक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों को एंटी रैगिंग के प्रति जागरूक करने के लिए एंटी रैगिंग शपथ पत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एंटी रैगिंग कार्यक्रम में माननीया कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने विश्वविद्यालय में शिक्षण कर रहे शिक्षार्थियों एवं अभिभावकों को शपथ दिलाई।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम निदेशक प्रो. पी. के. स्टालिन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जूनियर अपने सीनियर से जुड़ने का प्रयास करें और अभिभावक सभी बच्चों के भाव को समझने का प्रयास करें। उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल, प्रो. पी.पी. दुबे विनय कुमार, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो. पी.पी. दुबे, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. जे. पी. यादव, डॉ मीरा पाल, शिक्षक, कर्मचारी एवम् विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

SANYAM BHARAT

UPRTOU Vice-Chancellor made diyas on potter's wheel

न्यायाधीश

प्रयागराज, मंगलवार 15 अगस्त ,2023

मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र भारत

मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि

NORTHERN INDIA PATRIKA

Tribute offered to the martyrs under Meri Mati Mera Desh campaign

VC Open University made diyas on potter's wheel

अनुराग दर्शन

कुलपति ने कुम्हार के चाक पर मिट्टी के दिए बनाए

लोकमित्र

मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि

छात्रों ने खाई एंटी रैगिंग की शपथ

मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

छात्रों ने खाई एंटी रैगिंग की शपथ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

तिजारत

मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

विश्वविद्यालय परिसर में 151 दीयों को प्रज्ज्वलित कर शहीदों को किया नमन

तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक– प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक है। आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। यह तभी संभव होगा जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। हम जहां पर हैं, जिस पद पर हैं, वहां पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें। प्रोफेसर सीमा सिंह ने आजादी के दीवानों को याद करते हुए कहा कि उन्हें यकीं था कि यह जमीं और आसमां हमारा होगा। उनके सपने साकार हुए और आज देश में चारों ओर उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम का वह दौर बहुत कठिन दौर था। देश को आजाद कराने में जांबाजों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज हम उन सब को नमन करते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

गुमनाम नायकों की गाथाओं को सामने लाएगा मुक्त विश्वविद्यालय– कुलपति

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की योजना को साकार करते हुए मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में वीरों का वंदन तथा मिट्टी एंथम कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुमनाम नायकों का नमन विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले बलिदानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुमनाम नायक अब गुमनाम नहीं रह गए बल्कि उनका नाम सामने आ गया है इसलिए अब ऐसे नायकों की वीर गाथा को हमें जनमानस के सामने लाने के लिए कार्य करना है। जिसमें मुक्त विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभाएगा।

कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन डॉ अतुल कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल ने किया। गोष्ठी का संयोजन डॉ अनिल कुमार यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर पी के पांडेय, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि ने कई गुमनाम नायकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके पूर्व डॉक्टर अब्दुल रहमान, डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा, परमानंद उपाध्याय एवं अभिमन्यु ने माटी गीत प्रस्तुत किया। जिन्हें माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र को भी कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विशेष रूप से सम्मानित किया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र को सम्मानित करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, गुरूवार 17 अगस्त, 2023

गुमनाम नायकों की गाथाओं को सामने लाएगा मुक्त विश्वविद्यालय- कुलपति

तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक- प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक है। आज इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की योजना को साकार विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभाएगा।कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन डॉ अतुल कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल ने किया। गोष्ठी का संयोजन डॉ अनिल कुमार यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल

Daily News
SANYAM BHARAT
EDIT PRAYAGRAJ NATION

Open University will bring the stories of unsung heroes to the fore: Vice Chancellor

Tricolor is the symbol of our identity" Professor Seema Singh

PRAYAGRAJ: Vice Chancellor Professor Seema Singh hoisted the flag on the occasion of Independence Day at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj. On this occasion, while addressing the university family, he said that the tricolor is a symbol of our identity. Today India is moving towards becoming a world leader. This will be possible only when we perform our duties. Wherever we are, whatever position we are in, let us discharge our duties with full honesty. Remembering the lovers of freedom, Professor Seema Singh said that they were sure that this land and sky would be ours. His dreams have come true and today there is an atmosphere of celebration all around the country. He said that that period of the freedom struggle was a very difficult period. The bravehearts sacrificed their lives to liberate the country. Today we bow down to all of them. On this occasion, Vice-Chancellor Professor Singh paid tribute to freedom fighter Bharat Ratna Rajarshi Purushottam Das Tandon by garlanding his statue.

On the occasion of Independence Day, realizing the plan of the University Grants Commission and the Ministry of Education, Government of India, a program of salutation to the heroes and soil anthem program was also organized under the auspices of

प्रयागराज
मंगलवार 15 अगस्त, 2023
हिन्दी दैनिक
उर्ध्व नेत्र
प्रयागराज से प्रकाशित
सत्य का साथ असत्य का उजागर
RNI No.-UPHIN/2023/84044

मुविवि की कुलपति ने बनाए कुम्हार की चाक पर दिए

मेरी माटी मेरा देश अभियान में शहीदों को दिए जलाकर दी श्रद्धांजलि, छात्रों ने खाई एंटी रैगिंग की शपथ

उर्ध्व नेत्र सामचार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में सोमवार को मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कुम्हार के चाक पर मिट्टी के दिए बनाए। इस अवसर पर उन्होंने कुम्हार के परिजनों को सम्मानित भी किया। फाफामऊ बाजार में मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारी जब कुम्हार के यहां पहुंचे तो वहां कौतूहल का वातावरण उत्पन्न हो गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, डॉ मीरा पाल एवं निदेशकों ने कुम्हार

प्रो. सत्यपाल तिवारी, प्रो. जे. पी. यादव, डॉ मीरा पाल, शिक्षक, कर्मचारी एवम-विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इसी कड़ी में स्वतंत्रता दिवस को पूर्वान्ह 10:15 बजे ध्वजारोहण के पश्चात मेरी माटी मेरा देश अभियान में वीर शहीदों को याद करते हुए देश भक्ति परक गीतों का आयोजन मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में पूर्वाह्न 11:00 बजे लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया गया है।

चंद्रशेखर आजाद पार्क में बम होने की सूचना

मौके पर पहुंचे प्रयागराज के अफसरए

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त
R.N.I. No. : UPHIN/2016/68960
www.readersmessenger.com
readersmessenger@gmail.com

रीडर्स मैसेंजर

मूल्य ₹ 1/-

खबरों का दर्पण | राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
प्रातःकालीन हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (लखनऊ संस्करण)

वर्ष 08 अंक 29
लखनऊ, गुरुवार, 17 अगस्त, 2023
पृष्ठ - 08

15th AUGUST Independence Day

आजादी के जश्न में सभी लोग अपनी भूमिका अदा कर रहे : जिलाधिकारी : 2
संयुक्त राष्ट्र संघ के अस्तित्व पर प्रश्न चिन्ह? : 4

गुमनाम नायकों की गाथाओं को सामने लाएगा मुक्त विश्वविद्यालयः कुलपति

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक है। आज भारत विश्व गुरुबनने की ओर अग्रसर है। यह तभी संभव होगा जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। हम जहां पर है, जिस पद पर है, वहां पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें। प्रोफेसर सीमा सिंह ने आजादी के दीवानों को याद करते हुए कहा कि उन्हें यकीं था कि यह जमीं और आसमां हमारा होगा। उनके सपने साकार हुए और

आज देश में चारों ओर उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम का वह दौर बहुत कठिन दौर था। देश को आजाद कराने में जांबाजों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज हम उन सब को नमन करते है। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की योजना को साकार करते हुए मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में वीरों का वंदन तथा मिट्टी एंथम कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुमनाम नायकों का नमन विषय पर गोष्ठी आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले बलिदानियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुमनाम नायक अब गुमनाम नहीं रह गए बल्कि उनका नाम सामने आ गया है इसलिए अब ऐसे नायकों की वीर गाथा को हमें जनमानस के सामने लाने के लिए कार्य करना है। जिसमें मुक्त विश्वविद्यालय अग्रणी भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने कुलपति का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन डॉ अतुल कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल ने किया। गोष्ठी का संयोजन डॉ अनिल कुमार यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर पी के पांडेय, प्रोफेसर विनोद कुमार गुप्ता आदि ने कई गुमनाम नायकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके पूर्व डॉक्टर अब्दुल रहमान, डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा, परमानंद उपाध्याय एवं अभिमन्यु ने माटी गीत प्रस्तुत किया। जिन्हें कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र को भी कुलपति प्रोफेसर सिंह ने विशेष रूप से सम्मानित किया।

अनुराग दर्शन

www.anuragdarshan.com
(हिंदी दैनिक)

गुमनाम नायकों की गाथाओं को सामने लाएगा मुक्त विश्वविद्यालय– कुलपति

तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक– प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने ... तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक है। आज भारत विश्व गुरुबनने की ओर अग्रसर है। यह तभी संभव होगा जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। हम जहां पर हैं, जिस पद पर हैं, वहां पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम ... अर्पित किए। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की योजना को साकार करते हुए मानविकी विद्या शाखा के तत्वावधान में वीरों का वंदन तथा मिट्टी एंथम कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुमनाम नायकों का नमन विषय पर गोष्ठी आयोजित की ... कुलपति का स्वागत किया। विषय प्रवर्तन डॉ अतुल कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ स्मिता अग्रवाल ने किया। गोष्ठी का संयोजन डॉ अनिल कुमार यादव तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रोफेसर पीके स्टालिन, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर ... कई गुमनाम नायकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके पूर्व डॉक्टर अब्दुल रहमान, डॉ पुष्पेंद्र कुमार वर्मा, परमानंद उपाध्याय एवं अभिमन्यु ने माटी गीत प्रस्तुत किया। जिन्हें कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र को भी कुलपति प्रोफेसर ...

तिजारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गुमनाम नायकों की गाथाओं को सामने लाएगा मुक्त विश्वविद्यालयः कुलपति

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो सीमा सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी अस्मिता का प्रतीक है। आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। यह तभी संभव होगा जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि हम जहां पर हैं, जिस पद पर हैं, वहां पूरी ईमानदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन करें। प्रो सीमा सिंह ने आजादी के दीवानों को याद करते हुए कहा कि उन्हें यकीं था कि यह जमीं और आसमां हमारा होगा। उनके सपने साकार हुए और आज देश में चारों ओर उत्सव का माहौल है। उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने में जांबाजों ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। आज हम उन सब को नमन करते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ...

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त विश्वविद्यालय में हुई कौशल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना।

युवाओं के लिए आसान हुई रोजगार परक कौशल की राह

दिनांक 16 अगस्त, 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में कौशल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा विश्वविद्यालय को राजकीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में पंजीकृत किया गया है।

विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष में चलाए जा रहे अभिनव प्रयास व नूतन दिशाएं कार्यक्रम के अंतर्गत आज गंगा परिसर के कमेटी कक्ष में कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों के लिए पंजीयन कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि हमारी शिक्षा व्यवस्था रोजगार परक व उद्देश्य पूर्ण होनी चाहिए जो युवाओं में सर्जन का संचार करने में सक्षम हो। जिससे वे राष्ट्र के विकास में अपना महत्व योगदान कर सकें। इसके लिए रोजगार कौशल ढांचा विकसित करना अति आवश्यक है। माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का यह कौशल प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को रोजगार पर कौशल प्रदान करने तथा उनको सेवायोजित करने में महती भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास की अवधारणा में शिक्षा, रोजगारपरकता और रोजगार का कौशल प्रबंधन महत्वपूर्ण है।

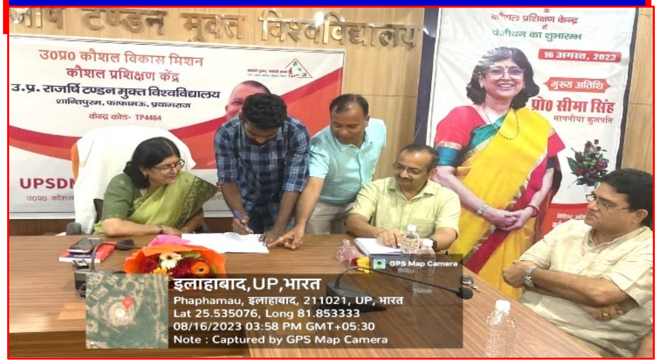

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि कुलसचिव कर्नल विनय कुमार तथा वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने मिशन द्वारा शुरू किए गए कार्यों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम की रूपरेखा प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री देवेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा प्रस्तुत की गई। संचालन डॉ सत्येंद्र बाबू एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ संजय कुमार सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों के साथ ही विश्वविद्यालय के निदेशक प्रोफेसर पी. पी. दुबे, प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी.के. स्टालिन, प्रोफेसर एस. कुमार, प्रोफेसर जे. पी. यादव, डॉ मीरा पाल आदि उपस्थित रहे।

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
17 अगस्त, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय में एंटी रैगिंग सप्ताह में हुए विविध आयोजन

एमएससी की छात्रा प्रांजलि यादव को पोस्टर प्रतियोगिता में मिला प्रथम पुरस्कार, कुलपति ने की सराहना

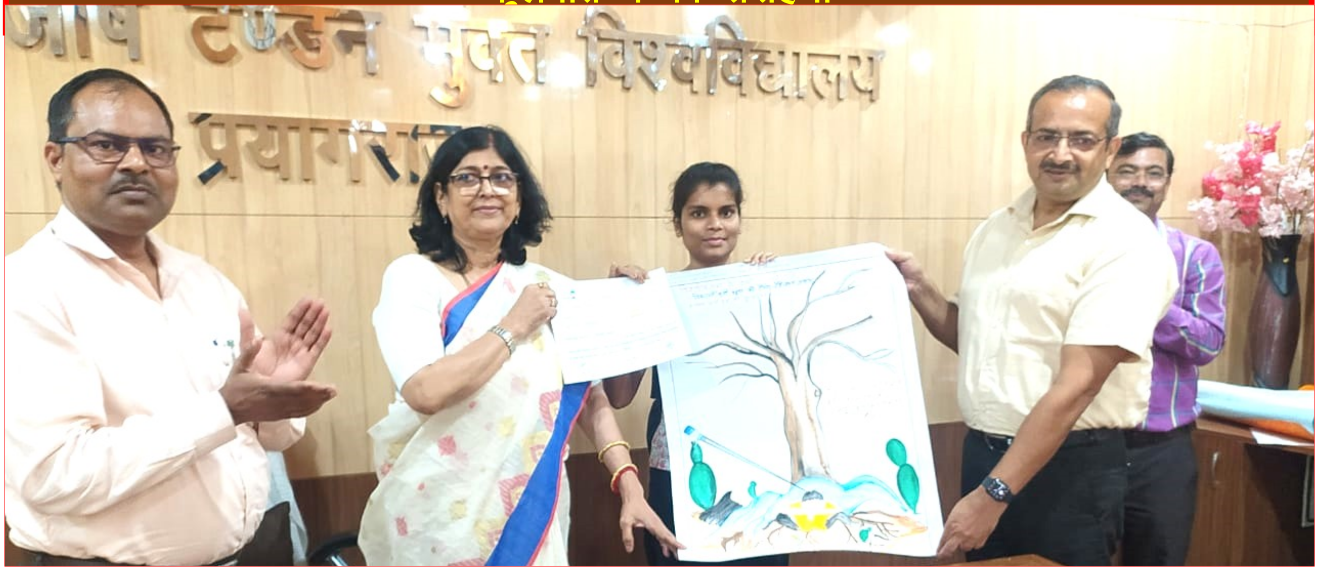

दिनांक 17 अगस्त, 2023 को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा निर्देश के अनुपालन में एंटी रैगिंग सप्ताह का आयोजन शिक्षा विद्या शाखा द्वारा आयोजित किया गया। इसके निमित्त शिक्षार्थियों एवं अन्य को जागरूक करने के लिए व्याख्यान श्रृंखला के अतिरिक्त शिक्षार्थी कर्मचारी एवं शिक्षक संवर्ग हेतु चार कार्यक्रम क्रमशः पोस्टर बनाना, लोगो डिजाइनिंग, स्लोगन एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। आज अंतिम तिथि समाप्त होने के उपरांत मूल्यांकन के उपरांत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले शिक्षार्थियों,कर्मचारी एवं शिक्षकों को कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम निदेशक प्रोफेसर पी के स्टालिन ने बताया कि पोस्टर प्रतियोगिता (शिक्षार्थी संवर्ग) में प्रांजली यादव ने प्रथम पुरस्कार तथा कुमारी पवित्रा ने द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी प्रकार लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता (शिक्षार्थी संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार ईशान तिवारी तथा द्वितीय पुरस्कार अंकित सोनी को एवं स्लोगन प्रतियोगिता (शिक्षार्थी संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार ईशान तिवारी तथा द्वितीय पुरस्कार अंकित सोनी को मिला।

प्रोफ़ेसर स्टालिन के अनुसार अन्य वर्गों के परिणाम इस प्रकार रहे। निबंध प्रतियोगिता (शिक्षार्थी संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार जया उपाध्याय, द्वितीय पुरस्कार अंकित सोनी। पोस्टर प्रतियोगिता (कर्मचारी संवर्ग) में पंकज कुमार प्रथम पुरस्कार, उज्जवल दास द्वितीय पुरस्कार, लोगो डिजाइनिंग (कर्मचारी संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार रामानंद यादव, द्वितीय पुरस्कार उज्जवल दास,स्लोगन प्रतियोगिता (कर्मचारी संवर्ग) में उज्जवल दास प्रथम पुरस्कार, रामानंद यादव द्वितीय पुरस्कार।

निबंध प्रतियोगिता (कर्मचारी संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार उज्जवल दास द्वितीय पुरस्कार रामानंद यादव, पोस्टर प्रतियोगिता (शिक्षक संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार डॉ नीलम उपाध्याय, द्वितीय पुरस्कार डॉ कामना यादव, लोगो डिजाइनिंग प्रतियोगिता (शिक्षक संवर्ग) के प्रथम पुरस्कार कौमुदी शुक्ला, द्वितीय पुरस्कार डॉक्टर पुष्पेंद्र कुमार वर्मा, स्लोगन प्रतियोगिता (शिक्षक संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार डॉ गौरव संकल्प, द्वितीय पुरस्कार डॉ रितु शर्मा, निबंध प्रतियोगिता (शिक्षक संवर्ग) में प्रथम पुरस्कार कौमुदी शुक्ला एवं द्वितीय पुरस्कार डॉ कामना यादव एवं डॉ सुमन सिंह को प्राप्त हुआ। उपरोक्त सभी संवर्गों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को गंगा परिसर स्थित कमेटी कक्ष में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने प्रमाण पत्र प्रदान किया।

इस अवसर पर शिक्षा विद्या शाखा के सभी शिक्षकगण, निदेशक प्रो० पी.के. स्टालिन, प्रोफेसर पी पी दुबे, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० जे पी यादव, प्रो० छत्रसाल सिंह एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार आदि उपस्थित रहे।

राजर्षि मेहंदी प्रतियोगिता में गोहरी की मुस्कान मौर्या प्रथम

मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र ने गांव में कराई प्रतियोगिता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा महिला शिक्षा एवं स्वावलंबन जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार दिनांक 18 अगस्त, 2023 को सोरांव विकास खंड स्थित गोहरी गांव में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं के मध्य राजर्षि मेंहदी कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हरियाली तीज के त्योहार के विशेष अवसर पर यह प्रतियोगिता आयोजित की गई।

महिला अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 75 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। छोटे बालकों में भी विशेष उत्साह देखा गया। मेहंदी प्रतियोगिता में मुस्कान मौर्य ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि काजल भारतीय एवं सुहाना दूसरे स्थान पर रही। ममता को तीसरा स्थान मिला। 5 सांत्वना पुरस्कार भी अर्शिया, प्रतिमा, सुमित सरोज, सहाना और प्रियंका को दिये गये। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ रवि भूषण ने बच्चों की कलात्मक प्रतिभाओं और कौशलों को निखारने वाले इस प्रकार के प्रयासों की सराहना की। प्रोफेसर बाजपेई ने कहा कि कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के निर्देश पर विश्वविद्यालय अनेक कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के हुनर को आर्थिक रूप से उपयोगी और सफल बनाने में तत्परता से कार्य कर रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ अतुल कुमार मिश्र, डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह, राजेश गौतम, डॉ दीप्ति श्रीवास्तव, श्रीमती हेमलता पटेल, श्रीमती पूनम यादव, श्रीमती सरला देवी की प्रमुख भूमिका रही। मेहंदी प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ नीलम उपाध्याय तथा डॉ रीना प्रधान का विशेष योगदान रहा।

उत्साह के साथ मनाया गया जन्म दिवस

मुक्त विश्वविद्यालय की यशस्वी माननीया कुलपति महोदया जी के जन्म दिवस की झलकियाँ

परम आदरणीया कुलपति जी आपको आपके जन्मदिन की अशेष शुभकामनाएं। ईश्वर आपको हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्न रखें। आप इसी तरह समाज में लोगों को प्रेरित करती रहे एवं हम सब आपके सानिध्य में नित्य नई चीज़े सीखते रहे और आपका आशीर्वाद हमेशा यूं ही मिलता रहे। एक बार पुनः जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इन्दुभूषण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्म दिवस की बधाई देते हुए शिक्षा विद्याशाखा के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० जी० के० द्विवेदी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह के जन्मदिन पर विश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने बधाई दी तथा उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की कामना की। कुलपति को अपने बीच में उपस्थित देख विश्वविद्यालय परिवार प्रफुल्लित रहा।

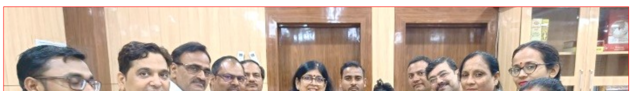

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्म दिवस की बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्म दिवस की बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्म दिवस की बधाई देते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अपने जन्मदिन पर किया वृक्षारोपण

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने आज अपने जन्मदिन के अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के हर सदस्य को अपने जन्मदिन पर एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। इससे पर्यावरण का संरक्षण तो होगा ही हमें ऑक्सीजन भी प्राप्त होगी।

अपने जन्मदिन के अवसर पर विश्वविद्यालय के गंगा परिसर में वृक्षारोपण करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुषगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा की प्रभारी डॉ0 मीरा पाल

23 अगस्त, 2023

चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग पर मुक्त विश्वविद्यालय में हर्ष, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान की सफलता से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में भारत की स्थिति सुदृढ़ होगी। चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग पर उन्होंने इस मिशन से जुड़े देश के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चंद्रयान 3 के चंद्रमा पर उतरने का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, निदेशकगण, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के बाद चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र, चंद्रमा की सतह और उसकी संरचना तथा चंद्रमा के वायुमंडल के बारे में अद्भुत जानकारियां हमें प्राप्त होंगी। यह मिशन युवा पीढ़ी को टेक्नोलॉजी, विज्ञान और इंजीनियरिंग में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा क्योंकि भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में चंद्रयान 3 सबसे महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, शुक्रवार
25 अगस्त, 2023
श्रावण मास शुक्ल पक्ष 9
सं. 2080 वि.
वर्ष 77, अंक 10 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर * *

स्वतंत्र भारत

मूल्य : 3 रुपये | epaper : epaper.swatantrabharat.net | web portal : swatantrabharat.net

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर हर्ष, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर प्रसनन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान की सफलता से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में भारत की स्थिति सुदृढ़ होगी। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर उन्होंने इस मिशन से जुड़े देश के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चंद्रयान 3 के चंद्रमा पर उतरने का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, निदेशकगण, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के बाद चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र, चंद्रमा की

The City Standard

PRAYAGRAJ • VOL : 5 • ISUUE : 122 • FRIDAY, AUGUST, 25 2023 • PAGE 08 • Rs. 5.00

Joy in Open University on Chandrayaan-3's successful landing, Vice Chancellor congratulates scientists

PRAYAGRAJ: Expressing happiness over the successful landing of Chandrayaan-3 on the Moon's South Pole, the first woman Vice-Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University Professor Seema Singh said that the success of this mission will strengthen India's position in the international space community.

On the successful landing of Chandrayaan-3, he congratulated the scientists of the country associated with this mission and expressed his gratitude to them.

Chandrayaan 3 moon landing live telecast at Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University on the instructions of University Grants Commission, New Delhi. In which Vice-Chancellor Professor Seema Singh, Registrar Col. Vinay Kumar, directors, teachers, officers, employees and students were present. Professor Singh said that after the success of this mission, we will get wonderful information about the Moon's gravitational field, the surface of the Moon and its structure and the atmosphere of the Moon. This mission will encourage the young generation to pursue career in technology, science and engineering as Chandrayaan 3 is the most important in India's space research.

तिजारत

• वर्ष : 16 • अंक : 198 • प्रात: कालीन संस्करण • लखनऊ • शुक्रवार, 25 अगस्त 2023 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 3 रुपए www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर मुक्त विश्वविद्यालय में हर्ष, कुलपति ने दी वैज्ञानिकों को बधाई

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की प्रथम महिला कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह ने चांद के साउथ पोल पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान की सफलता से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष समुदाय में भारत की स्थिति सुदृढ़ होगी। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग पर उन्होंने इस मिशन से जुड़े देश के वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के निर्देश पर उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में चंद्रयान 3 के चंद्रमा पर उतरने का सीधा प्रसारण किया गया। जिसमें कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह, कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, निदेशकगण, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे। प्रोफ़ेसर सिंह ने कहा कि इस अभियान की सफलता के बाद चंद्रमा के गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र, चंद्रमा की सतह और उसकी संरचना तथा चंद्रमा के वायुमंडल के बारे में अद्भुत जानकारियां हमें प्राप्त होंगी। यह मिशन युवा पीढ़ी को टेक्नोलॉजी, विज्ञान और इंजीनियरिंग में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा क्योंकि भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में चंद्रयान 3 सबसे महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्र भारत

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
लखनऊ, शुक्रवार 25 अगस्त, 2023
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : swatantrabharat.net

केंद्र समन्वयकों की कार्यशाला आज

स्वतंत्र भारत ब्यूरोप्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन 25 अगस्त को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में पूर्वाह्न 11.30 बजे किया जाएगा। मुक्त विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह होंगी।

The City Standard

PRAYAGRAJ • VOL : 5 • ISUUE : 122 • FRIDAY, AUGUST, 25 2023 • PAGE 08 • Rs. 5.00

Workshop of coordinators at Ayodhya Regional Center of Open University today

PRAYAGRAJ: One day workshop of Study Center Principal and Coordinators under Regional Center Ayodhya of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University, Prayagraj Organizing open and distance education in National Education Policy on 25 August 2023 at BNS Girls Degree College Regional Center Ayodhya will be done at 11:30am.

Dr. Prabhat Chandra Mishra, media in-charge of the Open University told that the chief guest of the workshop will be Professor Seema Singh, Vice-Chancellor of Uttar Pradesh Rajarshi Tandon Open University. Under the direction of Professor Singh, this time the university has included the National Education Policy in all its educational programmes. In order to make its benefits available to more and more people, the Open University is going to conduct its first workshop from Ayodhya city, which is very important from the point of view of Shri Ganesh religious tourism.

Principals and coordinators of 122 study centers located in Ayodhya, Gonda, Basti, Ambedkar Nagar, Sultanpur and Amethi districts under Regional Center Ayodhya will participate in the workshop.

He told that in the workshop, Professor Satyapal Tiwari, Director in-charge of Regional Center, Finance Officer Mr. Shashi Bhushan Singh Tomar, Controller of Examinations Mr. DP Singh, Admission in-charge Professor JP Yadav, Co-incharge of Counseling Cell Dr. Satish Chandra Jaisal etc. coordinators from the university side. Will present solutions to the curiosities of On this occasion, Vice-Chancellor Professor Seema Singh will give certificates to the study center coordinators who have done excellent work.

तिजारत

• वर्ष : 16 • अंक : 198 • प्रात: कालीन संस्करण • लखनऊ • शुक्रवार, 25 अगस्त 2023 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 3 रुपए www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आज

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन 25 अगस्त शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में पूर्वाह्न 11:30 बजे किया जाएगा। मुक्त विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कार्यशाला की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह होंगी। प्रोफ़ेसर सिंह के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने इस बार अपने सभी शैक्षिक कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का समावेश किया है। अधिक से अधिक लोगों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय अपनी पहली कार्यशाला का श्री गणेश धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण अयोध्या नगरी से करने जा रहा है। कार्यशाला में क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी जिलों के स्थित 122 अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयक प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यशाला में विश्वविद्यालय की तरफ से क्षेत्रीय केंद्र के प्रभारी निदेशक प्रोफ़ेसर सत्यपाल तिवारी, वित्त अधिकारी श्री शशि भूषण सिंह तोमर, परीक्षा नियंत्रक श्री डीपी सिंह, प्रवेश प्रभारी प्रोफ़ेसर जे पी यादव, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल आदि समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर कुलपति प्रोफ़ेसर सीमा सिंह

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

25 अगस्त, 2023

मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

जल संरक्षण के तहत घड़े में जल भरती हुई एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारम्भ करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार दिनांक 25 अगस्त, 2023 को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी रही।

कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया।

कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ0 ए0बी0 सिंह, डॉ0 के0पी0 वर्मा, डॉ0 रीना पाठक, डॉ0 शुचिता पांडेय, डॉ0 अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

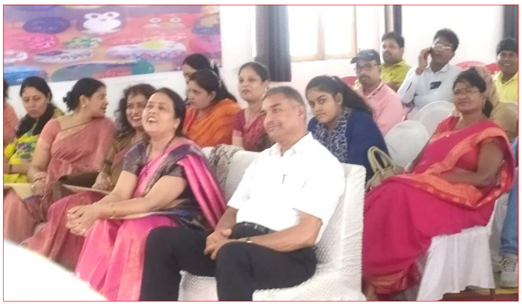

कार्यशाला का संचालन करते हुए रवि तिवारी

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी

स्वागत गीत प्रस्तुत करती हुई छात्रायें एवं सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य व समन्वयकगण

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकगण

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रोफेसर एसपी तिवारी एवं शशि भूषण राम त्रिपाठी

प्रो0 एस0पी0 तिवारी निदेशक, मानविकी विद्याशाखा एवं प्रभारी निदेशक, अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र तथा वित्त अधिकारी, शशि भूषण सिंह तोमर को अंगवस्त्र एवं समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी

परीक्षा नियंत्रक, श्री डी0पी0 सिंह एवं प्रवेश प्रभारी, प्रो0 जे0पी0 यादव को अंगवस्त्र एवं समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयक व अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी

काउन्सिलिंग सह प्रभारी डॉ0 सतीश चन्द्र जैसल को अंगवस्त्र एवं समृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र के समन्वयक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी

अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकों की समस्याओं को सुनती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी व प्रभारीगण

अपने–अपने सुझाव व समस्यायें बताते हुए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्यो एवं समन्वयकगण

प्रभारी निदेशक, अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

परीक्षा नियंत्रक डी0 पी0 सिंह

वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर

प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर ज0 पी0 यादव

परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ0 सतीश चंद्र जैसल

प्रभारी निदेशक अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी0 पी0 सिंह ने परीक्षा संबंधी, प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर ज0 पी0 यादव ने प्रवेश संबंधी, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ0 सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय– प्रोफेसर सीमा सिंह

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ–साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है।

अयोध्या | शनिवार | 26 अगस्त, 2023 जनमोर्चा 08

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय

समन्वयकों की कार्यशाला में बोली मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति

» अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

फैजाबाद (अयोध्या)।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को इसी सत्र से लागू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है।

कार्यशाला में साकेत महाविद्यालय के प्राचार्य डा. अभय कुमार सिंह सुझाव व्यक्त किया और इसके अलावा अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह सहित अन्य अतिथियों का अंगवस्त्र व स्मृतचिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी, प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

दैनिक अमृत प्रभात — वर्ष - 47 अंक-234 प्रयागराज, शनिवार 26 अगस्त 2023 पृष्ठ-12 मूल्य-3.50 रुपए — जनता के साथ जनता की आवाज

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विवि निरंतर सक्रिय : प्रो. सीमा सिंह

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

मुक्त विवि के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज (नि.सं.)

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के ...

... विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग ...

... गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ - साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है। कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। ...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रियः प्रो सीमा सिंह

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों ...

विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रो सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में ...

संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी प्रवेश प्रभारी प्रो जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी परामर्श प्रकोष्ठ के सह ...

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुविवि निरंतर सक्रिय : प्रोफेसर सीमा सिंह

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी, प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
वर्ष : 14 अंक : 146, प्रयागराज, शनिवार 26 अगस्त 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
सच का आधार ...

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विवि निरंतर सक्रिय : प्रो. सीमा सिंह

अब 30 सितम्बर तक होगा मुक्त विवि में प्रवेश, मुक्त विवि के अयोध्या क्षेत्रीय केन्द्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज/अयोध्या। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। इसके अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। अब 30 सितम्बर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला में मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका

लाभ उठा सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि मुक्त विवि प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश में परम्परागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विवि अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है।

कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त सम्बंधी, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने परीक्षा, प्रवेश प्रभारी प्रो. जेपी यादव ने प्रवेश, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संचालन रवि तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसपी तिवारी ने किया।

लखनऊ | शनिवार • 26.08.2023
अमर उजाला 3
amarujala.com/lucknow

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में सक्रिय

अयोध्या। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला शुक्रवार को आयोजित हुई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन विषयक कार्यशाला का आयोजन बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 30 सितंबर कर दी गयी है। संवाद

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश
प्रयागराज, शनिवार 26 अगस्त ,2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय–प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम ... गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके ... संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ - साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है।कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों ...

... की रूपरेखा प्रस्तुत की।कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी,प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी,परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के ... तिवारी ने किया।इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर

सबसे तेज प्रयागराज
सब पर नजर, सटीक खबर
नगर संस्करण hpshukla50@gmail.com शनिवार 26 अगस्त, 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय- प्रोफेसर सीमा सिंह

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश-मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ - साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है। कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी,प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी,परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
वर्ष : 29 | अंक :295
प्रयागराज | शनिवार , 26 अगस्त-2023
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुविवि निरंतर सक्रिय: सीमा सिंह

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा

कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।

इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी, प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

Voice Of Allahabad NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 09
अंक : 265
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
शनिवार 26 अगस्त 2023
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...
Voice Of Allahabad - Hindi Dainik E-mail:-voiceofallahabadnews@gmail.com www.voiceofallahabad.com
वॉइस ऑफ इलाहाबाद प्रयागराज/

मुक्त विवि के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विवि निरंतर सक्रियः प्रो. सीमा

अब 30 सितम्बर तक होगा मुक्त विवि में प्रवेश

वॉइस ऑफ इलाहाबाद
प्रयागराज/अयोध्या। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। इसके अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। अब 30 सितम्बर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है।

यह बातें उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला में मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कही। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से

युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।

कुलपति ने कहा कि मुक्त विवि प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रदेश में परम्परागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विवि अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है।

कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रो. सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त सम्बंधी, परीक्षा नियंत्रक डीपी सिंह ने परीक्षा, प्रवेश प्रभारी प्रो. जेपी यादव ने प्रवेश, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संचालन रवि तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एसपी तिवारी ने किया।

तिजारत

● वर्ष : 16
● अंक : 199
● प्रात: कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शनिवार, 26 अगस्त 2023
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रियः प्रो सीमा सिंह

तिजारत संवाददाता

कार्यशाला में आधा दर्जन जनपदों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने किया प्रतिभाग

स्वतंत्र भारत

स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी
लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित
लखनऊ, शनिवार 26 अगस्त, 2023
मूल्य : 3 रुपये
epaper : epaper.swatantrabharat.net
web portal : swatantrabharat.net

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रियः प्रो. सीमा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिनन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

हरबात

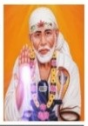

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI No.-UPHIN/2020/82181
www.harbaatnews.com
प्रयागराज एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित
वर्ष : 03 अंक : 266 प्रयागराज, शनिवार, 26 अगस्त, 2023, पृष्ठ : 4 मूल्य : 1 रुपया

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय- प्रोफेसर सीमा सिंह

हरबात संवाददाता

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्यक्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं।कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श, अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्वविद्यालय अपने बहुआयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ - साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है।

कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा, बस्ती, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया। प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी,प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी,परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय, डॉ एबी सिंह, डॉ केपी वर्मा, डॉ रीना पाठक, डॉ शुचिता पांडेय, डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

प्रयाग प्रभात

वर्ष : 13 अंक : 88 आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/42612 प्रयागराज, शनिवार, 26 अगस्त, 2023 पृष्ठ : 4 मूल्य : 2 रुपये
प्रयागराज शनिवार, 26 अगस्त, 2023

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय – प्रोफेसर सीमा सिंह

प्रयागराज।। प्रयाग प्रभात न्यूज

प्रयागराज 25 अगस्त उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,के क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या के अंतर्गत आने वाले अध्ययन केंद्र प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक दिवसीय कार्य शाला राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा का आयोजन शुक्रवार को बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज क्षेत्रीय केंद्र अयोध्या में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मुक्त विश्वविद्यालय निरंतर सक्रिय है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार विभिन्न विषयों की यूजीसी द्वारा जारी नवीन पाठ्यक्रम संकल्पना के अनुरूप पाठ्यक्रम को मुक्त विश्वविद्यालय में इसी सत्र से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि 30 सितंबर तक प्रवेश की तिथि को बढ़ा दिया गया है। सभी अध्ययन केंद्र समन्वयक रोजगार परक समावेशी शिक्षा से युक्त शैक्षिक कार्य क्रमों के बारे में केंद्र पर आने वाले लोगों को इन कार्यक्रमों की उपयोगिता के बारे में अवगत करायें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय यूट्यूब के माध्यम से विद्वानों के लेक्चर प्रसारित कर रहा है। दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थी इसका लाभ उठा सकते हैं। कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय प्रसार कार्यों के निर्वहन, सामाजिक सरोकार एवं जन जागरूकता के प्रति निरंतर सजग तथा संवेदनशील है। विश्व विद्यालय ने प्रवेश,पाठ्य सामग्री, शैक्षणिक परामर्श,अंक पत्र व उपाधि वितरण, टेंडरिंग आदि सभी क्षेत्रों में ऑनलाइन सुविधाओं का तेजी से विस्तार करके व्यवस्थाओं को और अधिक पारदर्शी बनाने में सफलता प्राप्त की है। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश में परंपरागत उच्च शिक्षा संस्थानों तथा तकनीकी संस्थानों के आधारभूत संरचना का जनहित में प्रयोग करते हुए यह मुक्त विश्व विद्यालय अपने बहु आयामी कार्यक्रमों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा को जन जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्पित है। परंपरागत शिक्षा के साथ – साथ यहां के व्यावसायिक एवं रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा शिक्षार्थी निरंतर लाभान्वित हो रहे हैं तथा उनमें नवीन कौशलों का विकास हो रहा है। कार्यशाला में अयोध्या, गोंडा,बस्ती, अंबेडकर नगर,सुल्तानपुर और अमेठी से आए अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयक डॉ शशि भूषण राम त्रिपाठी ने कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह एवं अतिथियों का स्वागत किया।प्रभारी निदेशक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संबंधी कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यशाला में वित्त अधिकारी शशि भूषण सिंह तोमर ने वित्त संबंधी, परीक्षा नियंत्रक डी पी सिंह ने परीक्षा संबंधी,प्रवेश प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने प्रवेश संबंधी, परामर्श प्रकोष्ठ के सह प्रभारी डॉ सतीश चंद्र जैसल ने परामर्श कक्षाओं के बारे में समन्वयकों की जिज्ञासाओं का समाधान प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संचालन रवि तिवारी ने एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर एसपी तिवारी ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले केंद्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों डॉ शिवेंद्र पांडेय,डॉ एबी सिंह,डॉ केपी वर्मा,डॉ रीना पाठक,डॉ शुचिता पांडेय,डॉ अभय प्रताप सिंह को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व क्षेत्रीय केंद्र पहुंचने पर कुलपति प्रोफेसर सिंह ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

सहज स्वरूप

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय एकता के प्रति पूर्ण समर्पित
प्रयागराज से प्रकाशित
वर्ष–02–अंक–199 प्रयागराज शनिवार 26 अगस्त 2023 विक्रम संवत 2080 प्रातः संस्करण पृष्ठ–8 मूल्य: 1/रुपया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में मुक्त विवि निरंतर सक्रिय- प्रोफेसर सीमा सिंह

अब 30 सितंबर तक होगा मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश

मुक्त विश्वविद्यालय के अयोध्या क्षेत्रीय केंद्र में समन्वयकों की कार्यशाला आयोजित

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

26 अगस्त, 2023

मुक्त चिन्तन

dqyifr us fd;k {ks=kh; dsUnz

mÙkj çns'k jktf"kZ VaMu eqä fo'ofo|ky; ç;kxjkt dh ekuuh;k dqyifr çksQslj lhek flag th us fnukad 26 vxLr

ekuuh;k dqyifr çksQslj lhek flag th dks iq"ixqPN HksaV dj mudk Lokxr djrs gq, xksjfkiqj {ks=h; dsUnz ds leUo;d Jh izohu dqekj

News Letter

मुक्त चिन्तन

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥

मुक्त चिन्तन

29 अगस्त, 2023

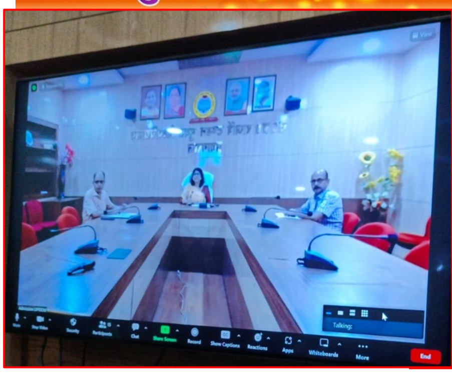

मुक्त विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केंद्र समन्वयकों की ऑनलाइन बैठक

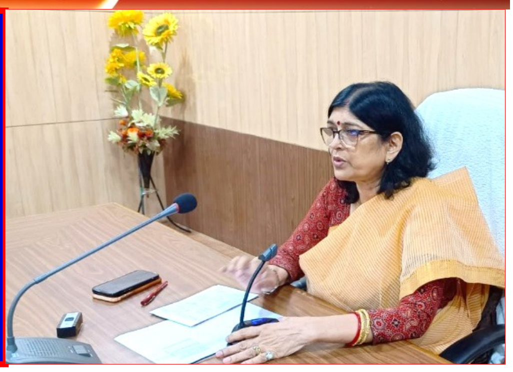

आज दिनांक 29 अगस्त, 2023 को पूर्वान्ह 11.00 बजे विश्वविद्यालय के समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों की प्रवेश के सम्बन्ध में ऑनलाइन समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी की।

बैठक के प्रारम्भ में प्रवेश प्रभारी, प्रो0 जे0 पी0 यादव ने माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी तथा बैठक में उपस्थित सभी का स्वागत किया।

माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने समीक्षा बैठक में समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों से कहा कि केन्द्रों पर आने वाले छात्रों को उचित परामर्श दिया जाये। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरुप स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार रोजगार एवं कौशल विकास पर आधारित शैक्षिक कार्यक्रमों को छात्रों के बीच ले जाने एवं प्रवेश की संख्या बढाने पर जोर दिया। कुलपति जी ने क्षेत्रीय समन्वयकों से कहा कि वे केन्द्रों पर निबन्ध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आदि आयोजित करायें और मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन करें।

बैइक में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों द्वारा उठायें गये प्रवेश सम्बन्धी समस्याओं के सम्बन्ध में विचार विर्मश किया गया। जिस पर माननीया कुलपति जी नें सम्बन्धित विभागों को समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु निर्देश भी दिये। सभी क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकों को अपने अध्ययन केन्द्रों के साथ प्रति सप्ताह समीक्षा बैठक करने का निर्देश दिया जिसकी आख्या प्रवेश प्रभारी को भी उपलब्ध करायी जायेगी।

इस अवसर पर माननीया कुलपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय परिवार के सहयोग से ही यह विश्वविद्यालय निरन्तर प्रगति कर रहा है। बैठक में प्रवेश प्रभारी, प्रो0 जे0 पी0 यादव, माननीया कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह एवं समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकगण उपस्थित रहे।

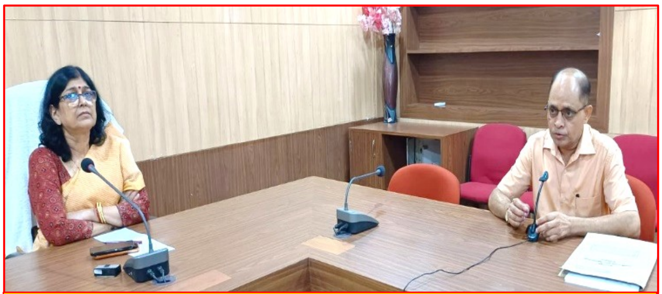

बैठक के बारे में बताते हुए प्रारम्भ में प्रवेश प्रभारी, प्रो0 जे0 पी0 यादव

बैठक की अध्यक्षता करती हुई माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी वं उपस्थित प्रवेश प्रभारी, प्रो0 जे0 पी0 यादव, माननीया कुलपति जी के ओ.एस.डी. डॉ0 दिनेश सिंह एवं समस्त क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयकगण

॥ सरस्वती नः सुभगा मयस्करत् ॥
प्रयागराज
मुक्त चिन्तन
News Letter
उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित
मुक्त चिन्तन
30 अगस्त, 2023

मुविवि में कौशल आधारित शिक्षा पर संगोष्ठी आयोजित

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार दिनांक 30 अगस्त, 2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में **कौशल आधारित शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत** विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। उक्त संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता जी, माननीया कुलपति, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश रही तथा अध्यक्षता विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी ने की।

संगोष्ठी की रूपरेखा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी पी सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत प्रकोष्ठ के सह प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार ने किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के सदस्य डॉ० संजय कुमार सिंह

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीया अतिथिगण

विश्वविद्यालय कुलगीत का प्रस्तुतीकरण

मुक्त चिन्तन

पुष्पगुच्छ भेंट कर माननीय अतिथिगणों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

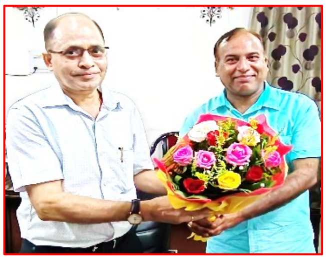

मुक्त चिन्तन

वाचिक स्वागत एवं अतिथि परिचय देते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के सह–प्रभारी प्रोफेसर जे0 पी0 यादव

कार्यक्रम के विषय में बताते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी0 पी0 सिंह

मुक्त चिन्तन

संगोष्ठी की माननीया मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करती हुई विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी

विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी0 पी0 सिंह

मुक्त चिन्तन

कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के सह–प्रभारी प्रोफेसर जे0 पी0 यादव

प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी0 डी0 सिंह को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के सह–प्रभारी प्रोफेसर जे0 पी0 यादव को अंगवस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करते हुए प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी0 डी0 सिंह

मुक्त चिन्तन

आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक पहुंचाएं कौशल विकास कार्यक्रम– प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता

संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक कौशल विकास के कार्यक्रमों को पहुंचाना होगा। जिसे उनका हुनर सामने आएगा। भारत का विकास तभी होगा जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। आज हमारा देश विश्व गुरु बनने की तरफ अग्रसर है हमारे पास युवाओं की शक्ति है।

मुक्त चिन्तन

प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हमारा लक्ष्य 2025 तक युवाओं को हुनरमंद बनाना है। इसके लिए हमें उनकी हीन भावना को दूर करना पड़ेगा। हमें एक इको सिस्टम बनाना पड़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने हमें एक ऐसा माध्यम दिया है जिससे हम कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं। हमें छात्रों के साथ सहभागिता बढ़ानी पड़ेगी। उनको लघु अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों से

मुक्त चिन्तन

मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र से लें प्रशिक्षण– प्रोफेसर सीमा सिंह

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में कौशल आधारित शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। इस केंद्र में पंजीकरण करा कर कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है।

मुक्त चिन्तन

कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से समाज में उसके कौशल को मान्यता प्राप्त होगी। ऐसे हुनरमंद कार्मिकों का लाभ समाज को मिल पाएगा। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अपने सभी पाठ्यक्रमों में कौशल आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दे रहा है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कर्नल विनय कुमार

मुक्त चिन्तन

कार्यक्रम की कुछ अन्य झलकियां

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 31 अगस्त 2023

मुविवि में कौशल आधारित शिक्षा पर संगोष्ठी आयोजित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में कौशल आधारित शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रो नीलिमा गुप्ता कुलपति डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक कौशल विकास के कार्यक्रमों को पहुंचाना होगा। जिसे उनका हुनर सामने आएगा। भारत का विकास तभी होगा जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। आज हमारा देश विश्व गुरु बनने की तरफअग्रसर है हमारे पास युवाओं की शक्ति है। हमारा लक्ष्य 2025 तक युवाओं को हुनरमंद बनाना है। इसके लिए हमें उनकी हीन भावना को दूर करना पड़ेगा। हमें एक इको सिस्टम बनाना पड़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने हमें एक ऐसा माध्यम दिया है। जिससे हम कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं। हमें छात्रों के साथ सहभागिता बढ़ानी पड़ेगी। उनको लघु अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ना पड़ेगा। ग्रामीण महिलाएं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती हैं। विश्वविद्यालय औद्योगिक घरानों के साथ लिंकअप करें तो अच्छे परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा आज बहुत आवश्यक हो गई है। सभी विश्वविद्यालयों को कौशल आधारित शिक्षा पर फोकस करना चाहिए। अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सीमा सिंह ने कहा कि? मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में कौशल आधारित शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। केंद्र में पंजीकरण करा कर कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से समाज में उसके कौशल को मान्यता प्राप्त होगी। ऐसे हुनरमंद कार्मिकों का लाभ समाज को मिल पाएगा।विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अपने सभी पाठ्यक्रमों में कौशल आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दे रहा है। संगोष्ठी की रूपरेखा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने प्रस्तुत की।

हिन्दी दैनिक
इलाहाबाद एक्सप्रेस
सच का आधार ...
वर्ष : 14 अंक : 151, प्रयागराज, गुरुवार 31 अगस्त 2023, पृष्ठ 8, मूल्य 1 रुपया
नीरज चोपड़ा ने भारत की खेल प्रतिभा ... 04

आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक पहुंचाएँ कौशल विकास : प्रो. नीलिमा

मुविवि में कौशल आधारित शिक्षा पर संगोष्ठी, कौशल विकास केंद्र से लें प्रशिक्षण: प्रो. सीमा सिंह

प्रयागराज(हि.स.)। आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक कौशल विकास के कार्यक्रमों को पहुंचाना होगा। जिससे उनका हुनर सामने आएगा। भारत का विकास तभी होगा जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। आज हमारा देश विश्व गुरु बनने की तरफ अग्रसर है। हमारे पास युवाओं की शक्ति है।

यह बातें डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मध्य प्रदेश की कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को कौशल आधारित शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर संगोष्ठी में सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2025 तक युवाओं को हुनरमंद बनाना है। इसके लिए हमें उनकी हीन भावना को दूर करना पड़ेगा। हमें एक इको सिस्टम बनाना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने हमें एक ऐसा माध्यम दिया है जिससे हम कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं। हमें छात्रों के साथ सहभागिता बढ़ानी पड़ेगी। उनको लघु अवधि के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ना पड़ेगा। ग्रामीण महिलाएं प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकती हैं। विश्वविद्यालय औद्योगिक घरानों के साथ लिंकअप करें तो अच्छे परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि कौशल आधारित शिक्षा आज बहुत आवश्यक हो गई है। सभी विश्वविद्यालयों को कौशल आधारित शिक्षा पर फोकस करना चाहिए।

अध्यक्षता करते हुए मुक्त विवि की कुलपति प्रो. सीमा सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में कौशल आधारित शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। इस केंद्र में पंजीकरण करा कर कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से समाज में उसके कौशल को मान्यता प्राप्त होगी। ऐसे हुनरमंद कार्मिकों का लाभ समाज को मिल पाएगा। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अपने सभी पाठ्यक्रमों में कौशल आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दे रहा है। संगोष्ठी की रूपरेखा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी डी पी सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत प्रकोष्ठ के सह प्रभारी प्रो. जे पी यादव तथा संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार ने किया।

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com

आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक पहुंचाएं कौशल विकास कार्यक्रम : प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता

मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र से लें प्रशिक्षण : प्रोफेसर सीमा सिंह

मुविवि में कौशल आधारित शिक्षा पर संगोष्ठी

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रशिक्षण एवं सेवा स्थापना प्रकोष्ठ के तत्वावधान में बुधवार को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में कौशल आधारित शिक्षा एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता, कुलपति, डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर मध्य प्रदेश ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक कौशल विकास के कार्यक्रमों को पहुंचाना होगा। जिसे उनका हुनर सामने आएगा। भारत का विकास तभी होगा जब हम आत्मनिर्भर बनेंगे। आज हमारा देश विश्व गुरु बनने की तरफ अग्रसर है हमारे पास युवाओं की शक्ति है। हमारा लक्ष्य 2025 तक युवाओं को हुनरमंद बनाना है। इसके लिए हमें उनकी हीन भावना को दूर करना पड़ेगा। हमें एक इको सिस्टम बनाना पड़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने हमें एक ऐसा माध्यम दिया है जिससे हम कौशल आधारित शिक्षा पर विशेष बल दे रहे हैं।अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने कहा कि ? मुक्त विश्वविद्यालय के कौशल विकास केंद्र में कौशल आधारित शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। इस केंद्र में पंजीकरण करा कर कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने से समाज में उसके कौशल को मान्यता प्राप्त होगी। ऐसे हुनरमंद कार्मिकों का लाभ समाज को मिल पाएगा। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अपने सभी पाठ्यक्रमों में कौशल आधारित शिक्षा को विशेष महत्व दे रहा है। संगोष्ठी की रूपरेखा प्रशिक्षण एवं सेवायोजन प्रकोष्ठ के प्रभारी श्री डी पी सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत प्रकोष्ठ के सह प्रभारी प्रोफेसर जे पी यादव ने किया। संचालन डॉ संजय कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कर्नल विनय कुमार ने किया।

• वर्ष : 16
• अंक : 204
• लखनऊ
• गुरुवार, 31 अगस्त 2023
• पृष्ठ : 08
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

आत्मनिर्भर भारत के लिए ग्रामीणों तक पहुंचाएं कौशल विकास कार्यक्रम: प्रो नीलिमा गुप्ता

समय से पहले 'समय' पर नजर
न्यायाधीश

Voice Of Allahabad
NEWS
प्रयागराज
वर्ष : 09
अंक : 270
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया
हिन्दी दैनिक
R.N.I No. UPHIN/2014/59094
वॉइस ऑफ इलाहाबाद
खबर वही जो सच हो...